सूर्योदय दि. 27-11-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

# ओपन सर्च

ओपन SEARCH

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com   Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in   Website | www.opensearch.co.in

एमजीए अवार्ड... पृष्ठ-8 पर

वर्ष : 06 अंक : 238   नई दिल्ली, शनिवार 27 नवम्बर-2021   नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित   ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

# हमेशा की तरह सुर्खियों में रहा एमजीए अवार्ड

## राजधानी दिल्ली में 5वें कोजियर महानगर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड-2021 का सफल आयोजन संपन्न

### सरकार की नीतियों को स्वयंसेवी संस्थाएं आगे बढाने का कार्य करती हैं : श्याम जाजू

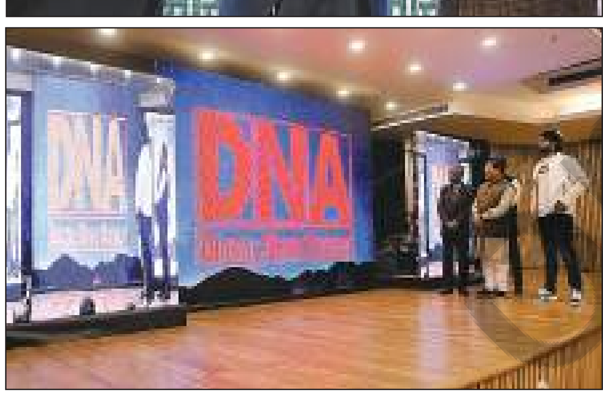

ओपन सर्च.संवाददाता

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में महानगर मेल द्वारा आयोजित '5वें कोजियर महानगर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड-2021' कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू उपस्थित रहे। दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्षा श्रीमती रुबी यादव, 'चम्बल बॉय' रवि यादव ने विशेष मेहमान के रूप में मौजूद रहकर समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के संस्थापक और आयोजक रणवीर गहलोत और संयोजक अजय बसोया व संगम कुमार ने आमंत्रित मेहमानों के साथ दीप प्रज्वलन कार्यक्रम के द्वारा समारोह की शुरुआत की। सबसे पहले काव्या कमल ने गणेश वंदना प्रस्तुत की और सभागार में मौजूद सभी मेहमानों ने तालियां बजाकर उनकी हौसला अफजाई की।

'5वें कोजियर महानगर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड-2021' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम जाजू ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी मिलकर जो योजनाएं बना रहे हैं, वह रणवीर गहलोत जैसे व्यक्ति व स्वयंसेवी संस्थाएं अपने कार्यक्रमों के द्वारा जनता तक जानकारी पहुचाने का कार्य कर रही हैं, जो अत्यंत ही सराहनीय कार्य है। कोरोनकाल में अरुण पाल जैसे असली कोरोना योद्धा का सम्मान करके आपने समाज को प्रोत्साहन देने का कार्य किया है।

दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सुश्री रूबी यादव अपने संबोधन करते हुए कहा कि समारोह की मुख्य अथिथि श्याम जाजू और समारोह के संस्थापक व संयोजक रणवीर गहलोत जी का विशेष रूप से आभार व्यक्त करती हूं और कहा कि इस समाजिक मंच पर आकर गौरवानित महसूस कर रही हूं। इस मसारोह का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान है जिसकी सोच महात्मा गांधी के द्वारा की गई थी लेकिन अमली जामा हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने ही पहनाया है। जो आज हमारे समाज के बीच दिखाई भी देता है। इसके साथ हीं उन्होंने 5 एफ फार्मूले के बारे में भी कहा, जिसको नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए विचारा था जो हमे आज की केन्द्रीय योजनाओं में भी साफ झलकता हुआ दिखता है।मास्टर यश ने गीत कल हो ना हो गा कर जो समा बांध तो सभागार तालियों से गूंज उठा। साथ ही, आरजे रेखा, वॉइस आर्टिस्ट मनीष त्रिपाठी, एक्ट्रेस प्रिया सिंह और एक्टर राज चैहान को भी आइकन ऑफ दि अवार्ड सम्मान से नवाजा गया। अवार्ड की थीम प्रेक्टिस योगा पर प्रकाश डालते हुए योगा एक्सपर्ट राखी त्रिपाठी ने योग के महत्व को समझाते हुए कार्यक्रम में आए मेहमानो को योग के लिए प्रेरित और जागरुक भी किया।

कार्यक्रम की शुरुआत जहां दीप प्रज्जवलन और राष्ट्रीय गान के साथ गणेश वन्दना से भी की गई तो वहीं अवार्ड के संस्थापक स्व. संजय निगम जी और मुम्बई महानगर मेल के संपादक स्व. रवि शंकर मिश्रा जी को याद करते हुए अश्रूपूर्ण ऋद्धांजली दी गई।

सभागार में बैठे लोगो की आंखें उन्हे याद करते हुए नम दिखी। इसके अलावा एक्ट्रेस सुमन सिंह, फिल्म प्रोडियूसर मुकेश मासूम, एम के न्यूज एजेन्सी के चेयरमैन एम के यादव, रेलवे के सदस्य संगम कुमार, इन्टरनेशनल आइडल और चाइल्ड आर्टिस्ट मास्टर भौतिक, महिला उघमी विन्नी मैश्राम को गेस्ट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवा, पत्रकारिता, अभिनय, योग, साहित्य, शिक्षा, चिकित्सा, आयुर्वेद, पोषण विज्ञान और पर्यावरण के क्षेत्र से 31 प्रमुख हस्तियों को 5वें महानगर ग्लोबल अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में धर्मेन्द्र कुमार, प्रियरंजन, विजय कुमार, गीतिका पंत, अरुण पाल, प्रशांत कुमार नेमा, लता चौहान, डॉ. विवेक गौतम, सलमा मेमन, राजू गौली, डॉ. एन के जोशी, डॉ. प्रीति जैन, लुबना आसिफ, रूचि सिंह, डॉ. शाइस्ता निलोफर, डॉ. लक्सिता शर्मा, मधुमिता आचार्य बिस्वास, एस एस डोगरा, सुखप्रीत बेदी, बोइशाली सिन्हा, गोवा से पूर्व नौसैनिक अनंत जोशी, अपर्णा मलिक, अशिता कोचर, नैना वैघ, अस्तित्व करना, जतिन कुमार, भीष्मलाल, परवेज अली, संतोष जांगडा, सत्यनारायण महाराणा, प्रकाश झा सम्मान पाने वालों की लिस्ट में रहे। आयोजन समिति के सदस्यों को मंच पर बुलाया गया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी टीम मेंबर का आभार व्यक्त किया गया। इस समारोह में श्याम जाजू के द्वारा डीएनए एजेंसी का भी लोकार्पण किया गया। साथ ही, श्याम जाजू ने डीएनए एजेंसी को बधाई भी दी।

शेष पृष्ठ 8 पर

# एक नज़र

## आगरा में हादसे में रोडवेज बस से उतरते ही ट्रक ने भाई- बहन को रौंदा, दोनों की मौत

**आगरा (एजेंसी)** एत्माद्दौला क्षेत्र में गुरुवार देर रात दर्दनाक हादसा हुआ। रोडवेज बस से उतरते ही बहन और भाई को एक ट्रक ने रौंद दिया। बहन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भाई ने हास्पिटल पहुंचने से पहले ही रास्ते में दम तोड़ दिया। दोनों की मौत के बाद घर में कोहराम मचा है। पुलिस ने ट्रक को सीज कर दिया है। एत्माद्दौला के हनुमान नगर निवासी 32 वर्षीय अमित कुमार बेस्ट प्राइस में काम करते थे।

गुरुवार रात को वे बहन अर्चना के साथ दिल्ली से लौट रहे थे। रोडवेज बस में बैठकर वे आगरा आए। रात दो बजे रामबाग फ्लाइओवर पार करके रोडवेज बस से वे उतर गए। यहां से वे सर्विस रोड पार कर रहे थे। तभी रामबाग की ओर से आ रहे ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। इसमें अर्चना की मौके पर ही मौत हो गई। अमित को पुलिस गंभीर हालत में हास्पिटल ले जा रही थी।रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। भाई बहन की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। अमित के पिता मेघपाल ने बताया कि अमित अपनी बहन को किसी काम से लेकर दिल्ली गया था। वहां से लौटकर आ रहा था। रात में ही उसने फोन करके इसकी जानकारी दी थी।

घर से थोड़ी दूरी पर ही हुए हादसे में अमित और अर्चना की जान चली गई। इंस्पेक्टर एत्माद्दौला देवेंद्र शंकर पांडेय ने बताया कि हादसा करने वाले ट्रक को छोड़कर चालक और क्लीनर रात में भाग गए थे। ट्रक को सीज कर दिया गया है। चालक के बारे में जानकारी की जा रही है। स्वजन से तहरीर लेकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## आगरा में जुटने लगे ट्रैक्टर, आज ट्रैक्टरों पर किसानो संग सवार होंगे भाजपाई

**आगरा (एजेंसी)** जीआईसी ग्राउंड से कोठी मीना बाजार मैदान तक ट्रैक्टर जुटने शुरू हो गए हैं। किसान और भाजपाई आज संयुक्त रूप से ट्रैक्टर पर सवार होंगे और कलक्ट्रेट, पुलिस लाइन होते हुए वापस कोठी बाजार मैदान लौटेंगे। तीनों नए कृषि कानूनों को केंद्र सरकार ने वापस ले लिया है, लेकिन भाजपा किसानों तक पहुंच बनाने में जुटी है। अपनी बात किसानों तक पहुंचाने और कृषि कानूनों के विरोध में उपजे असंतोष को घटाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी जिम्मेदारी भाजपा किसान मोर्चा पर है।

पिछले दिनों किसान चौपाल के माध्यम से ब्रज क्षेत्र के संगठनात्मक सभी 19 जिलों में किसानों से सीधे संपर्क साधा था। अब पूरे प्रदेश में ट्रैक्टर रैली के माध्यम से किसानों को साथ जोड़ा जा रहा है। शुक्रवार को किसानों के साथ भाजपाई ट्रैक्टर रैली निकालेंगे। ब्रजक्षेत्र की ट्रैक्टर रैलियों की शुरुआत 19 नवंबर को मथुरा से भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर की थी। शुक्रवार को कोठी मीना बाजार मैदान से रैली की शुरुआत किसान मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राजकुमार चाहर करेंगे।

देर रात रैली का रूट बदल दिया गया इसके बाद अब दीवानी चौराहे स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा की जगह रैली कलक्ट्रेट पुलिस लाइन होते हुए वापस कोठी मीना बाजार मैदान लौटेगी। एसपी ट्रैफिक से वार्ता के बाद भाजपाइयों ने यह निर्णय लिया। रैली में 200 से 400 ट्रैक्टर का लक्ष्य रखा गया है, जिससे बहुत अधिक भीड़ न जुटे और लोगों को असुविधा नहीं हो। किसान मोर्चा ब्रजक्षेत्र अध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने बताया ने कहा कि किसानों को साथ जोड़ने के लिए रैली निकाली जा रही है। किसानों को विपक्ष गुमराह करने का काम कर रहा था। प्रधानमंत्री ने किसानों का मान रखा और कृषि कानूनों को वापस लिया है।

## शामली में फैक्ट्री कर्मी का अपहरण कर मांगी पांच लाख रुपये की फिरौती

**शामली (एजेंसी)** शामली के थाना गढ़ी पुख्ता क्षेत्र निवासी एक अधेड़ का अपहरण कर लिया गया। उसकी रिहाई के लिए पांच लाख की रंगदारी मांगी गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गांव भैंसवाल निवासी 45 वर्षीय देवेंद्र हरियाणा किसी फैक्ट्री में काम करते हैं। गांव में उनके स्वजन रहते हैं। दो दिन पहले वह गांव में घर पर आए थे। गुरुवार शाम के समय वह किसी काम से शामली जाने की बात कहकर घर से चले गए थे।

इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटे। देर शाम किसी अंजान ने उनके एक स्वजन के मोबाइल पर फोन कर कहा कि देवेंद्र का अपहरण कर लिया गया है, छुड़ाना है तो पांच लाख रुपये देने होग, नहीं तो उसे मार देंगे। इस काल के बाद स्वजन में दहशत फैल गई। उन्होंने तुरंत ही यह सूचना पुलिस को दी। थाना पुलिस ने अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने बताया कि स्वजन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम देवेंद्र की तलाश में लगी है। फोन नंबर से आरोपित का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही मामले का राजफाश किया जाएगा। गुरुवार को आबकारी टीम ने कच्ची शराब बरामदगी के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया।

इस दौरान दो टीमों ने दो आरोपितों को 25 लीटर कच्ची शराब बरामद कर गिरफ्तार किया। आरोपितों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी कुंवर पाल सिंह ने बताया कि आबकारी आयुक्त प्रयागराज के आदेशानुसार जिले में कच्ची शराब की तस्करी व बनाने वाले माफिया के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। गुरुवार को आबकारी निरीक्षक अशोक कुमार ने अपनी टीम के साथ ग्राम लिलोन खेडी गांव में दबिश दी।

इस दौरान 10 लीटर कच्ची शराब के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया। आबकारी निरीक्षक शिल्पी सिंह ने अपनी टीम व आबकारी निरीक्षक अजय यादव के साथ थाना झिंझाना के ग्राम पुरमाफी, मस्तगढ़ ,मोहल्ला सीतापुरी में दबिश दी। दबिश के दौरान 15 लीटर कच्ची शराब बरामद की और एक आरोपित को भी गिरफ्तार किया गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ शराब अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। कार्रवाई के दौरान विभागीय टीम ने गांव की महिलाओं और पुरुषों को शराब के अवैध कारोबार से दूर रहने के लिए समझाया। बताया, कि कच्ची शराब पीने से आंखों की रोशनी व जान भी जा सकती है। इस धंधे से जुड़े लोगों के बारे में आबकारी विभाग टीम को सूचना दे।

## सेना में भर्ती का झांसा देकर लाखों हड़पने वाला पूर्व जवान गिरफ्तार, एसटीएफ ने लखनऊ में दबोचा

**लखनऊ (एजेंसी)** एसटीएफ ने सेना में भर्ती कराने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह का राजफाश किया है। गिरोह भर्ती के नाम पर लोगों से रुपये वसूलता था। एसटीएफ में एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, 17 नवंबर को जोधपुर राजस्थान निवासी नारायण सिंह ने एसटीएफ मुख्यालय में शिकायत की थी। नारायण सिंह के मुताबिक गिरोह ने उनके बेटे धर्मेंद्र को सेना में भर्ती कराने के नाम पर एक लाख रुपये लिए थे।

एसटीएफ ने छानबीन के दौरान गुरुवार को मनोज पांडेय चौराहे के पास से फिरोजाबाद निवासी सर्वेश कुमार और हरी सिंह को दबोच लिया। पूछताछ में सर्वेश ने बताया कि 16 नवंबर को वह हरी सिंह व हरेंद्र के साथ लखनऊ सेंटर आया था, जहां उसकी मुलाकात नारायण सिंह से हुई थी। नारायण ने बताया कि वह बेटे को सेंटर पर भर्ती के लिए लाया है। आरोपितों ने झांसे में लेकर भर्ती के नाम पर नारायण से अपने परिचित हिमांशु के खाते में एक लाख रुपये स्थानांतरित करवा लिए। आरोपितों ने बताया कि हिमांशु भर्ती कराने का काम दो प्रतिशत कमीशन पर करता है। सर्वेश फिरोजाबाद का रहने वाला है और वर्ष 2005 में एएमसी सेंटर असम रायफल डोगरा रेजीमेंट सेंटर अयोध्या में भर्ती हुआ था। वर्ष 2011 में अवकाश पर घर आया और बीमार होने के बाद नौकरी पर नहीं गया। फौज ने केस किया तो उसने पहचान पत्र वापस करने से पहले उसकी डुप्लीकेट कापी अपने पास रख ली।

उसी पहचान पत्र का इस्तेमाल कर वह लोगों को झांसे में लेता था। आरोपित ने नारायण ड्क्षसह के अलावा स्वरूप कुमार सावंत से 25 हजार, सरकार से 50 हजार व आनंद से 60 हजार रुपये लिए थे। हरी ने बताया कि वह सर्वेश के कहने पर काम करता है। वहीं, हरेंद्र यादव ने बताया कि वह दिल्ली में ट्रक चलाता था और वर्तमान में सर्वेश की गाड़ी चला रहा था।

## सीएम योगी का तीन दिनी दौरा आज से, अयोध्या के बाद बलरामपुर गोंडा और वाराणसी जाएंगे

**लखनऊ (एजेंसी)** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रदेश को मथने का कार्यक्रम जारी है। शुक्रवार दोपहर से सीएम योगी आदित्यनाथ तीन दिन के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री रामनगरी अयोध्या के बाद बलरामपुर व गोंडा जाएंगे। उसके बाद उनका वाराणसी,

जौनपुर तथा गोरखपुर का दौरा है। उनकी 28 की शाम को लखनऊ वापसी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को रामनगरी आयोध्या में सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे।

वह यहां के जीआइसी ग्राउंड में करीब तीन बजे से होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर करीब 500 से अधिक जोड़ों को विवाह के बाद आशीर्वाद देंगें। अयोध्या के बाद मुख्यमंत्री बलरामपुर रवाना होंगे जहां पर उनका शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ योगी के श्रद्धांजलि समारोह में शामिल होने का कार्यक्रम है। शामिल होंगे। शक्तिपीठ देवीपाटन में ब्रह्मलीन महंत महेंद्र नाथ योगी की पुण्यतिथि पर सात दिनी श्रीमद्भागवत कथा चल रही है। अंतिम दिन शुक्रवार को श्रद्धांजलि समारोह में नाथ संप्रदाय के अध्यक्ष सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ का यहां पर रात्रि विश्राम का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री का 27 नवंबर को गोंडा का जाने का कार्यक्रम है। गोंडा में वह विकास कार्य तथा कानून-व्यवस्था की समीक्षा करने के साथ ही मैजापुर में एशिया के सबसे बड़े डिस्टलरी प्लांट का शुभारंभ करेंगे।

मैजापुर चीनी मिल में करीब 450 करोड़ रुपए की लागत से छह महीने में तैयार एथेनॉल प्लांट के 30 हेक्टेयर भूभाग में प्लांट का काम शुरू हो गया है। इसका लाभ गोंडा के 60 हजार किसानों को होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 नवंबर को वाराणसी दौरे पर रहेंगे। यहां पर वह रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करने के साथ पीएम मोदी के दौरे को लेकर अधिकारियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उनका बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ ही साथ विश्वनाथ धाम में चल रहे विकास कार्य के निरीक्षण का कार्यक्रम है।

## आंदोलन का एक साल पूरा होने पर मेरठ सहित कई जिलों के किसान गाजीपुर बार्डर रवाना

**मेरठ (एजेंसी)**
संयुक्त किसान मोर्चा के आहवान पर गाजीपुर बार्डर पर आज शुक्रवार को होने वाली महापंचायत में भाग लेने के लिए मेरठ सहित कई जिलों से बड़ी संख्या में किसान रवाना हो गए हैं। 26 नवंबर को किसान आंदोलन को एक वर्ष पूरा होने पर दिल्ली बार्डर के गाजीपुर मंच पर धामपुर तहसील के चारों ब्लॉक धामपुर, स्योहारा, अफजलगढ़ और नहटौर के भाकियू कार्यकर्ता वहां पहुंचे हैं।

धामपुर से तहसील अध्यक्ष राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गाजीपुर पहुंचे। जहां कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। वहीं बागपत के रमाला में धरने को एक वर्ष पूरा होने पर गाजीपुर बार्डर जाते किसान यूनियन के कार्यकर्ता गाजीपुर बार्डर के लिए रवाना हो गए। वहीं मेरठ में भाकियू युवा विंग के पदाधिकारी देशपाल हुड्डा के नेतृत्व में गाजीपुर बॉर्डर पर पंचायत में शामिल होने के लिए रवाना हुए।

वहीं बागपत में चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार ने जिस तरह तीनों कृषि कानून वापस किए हैं। उसी तरह न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बना दे तो किसानों का मजा आ जाएगा। उन्होंने कहा कि 27 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक होगी जिसमें आगे के लिए कोई निर्णय लिया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा के आहवान पर किसानों ने गाजीपुर बार्डर पर 26 नवंबर शुक्रवार को होने वाली महापंचायत की तैयारी शुरू कर दी थी। मेरठ से भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी लगभग 15 ट्रैक्टर व 20 गाड़ियों के काफिले के साथ गाजीपुर बार्डर के लिए शुक्रवार सवेरे रवाना हो गए। भाकियू जिलाध्यक्ष मनोज त्यागी ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन की ओर से मेरठ से लगभग 200 किसानों की महापंचायत में भागीदारी होगी। गाजीपुर बार्डर पर महापंचायत में रवाना हुए मेरठ के भाकियू कार्यकर्ता मेरठ 26 नवंबर को किसान आंदोलन को एक वर्ष पूरा हो गया है।

आज ही के दिन पिछले वर्ष तीनों कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर किसानों ने विरोध करते हुए आंदोलन शुरू किया था। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वापसी की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने पर तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने की स्वीकृति मिल गई है। एक साल पूरा होने पर आज गाजीपुर बार्डर पर किसानों की महापंचायत होगी।

इसमें मेरठ से भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी समेत लगभग 200 किसान रवाना हुए हैं। भाकियू जिलाध्यक्ष मनोज त्यागी ने बताया कि महापंचायत में शामिल होने के लिए किसान कार व ट्रैक्टर ट्रालियों से गाजीपुर बार्डर पहुंच रहे हैं। मेरठ के किसान गंगनहर मार्ग और एक्सप्रेस वे के रास्ते गाजीपुर बार्डर रवाना हुए हैं। 15 ट्रैक्टर व लगभग 20 गाड़ियों में रवाना हुए किसान भाकियू जिलाध्यक्ष मनोज त्यागी ने बताया कि मेरठ के किसान करनावल समेत सरधना क्षेत्र वाले गांवों से गंगनहर के रास्ते गाजीपुर बार्डर के लिए रवाना हुए।

वहीं, अन्य किसान दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे के रास्ते से पहुंच रहे हैं। मेरठ से किसान लगभग 15 ट्रैक्टर ट्राली व 20 गाड़ी शामिल हैं। सिवाया टोल के धरने को पूरे हो गए छह माह भारतीय किसान यूनियन ने मेरठ में भी 26 मई 2021 को सिवाया टोल प्लाजा पर तीनों कृषि कानूनों के विरोध में धरना प्रदर्शन शुरू किया था। सिवाया टोल पर चल रहे धरने को शुक्रवार को छह माह पूरे हो गए हैं। गाजीपुर बार्डर पर महापंचायत में राकेश टिकैत के अलावा संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी संबोधित करेंगे।

## मायावती बोलीं- ज्यादातर विभागों में आरक्षण का कोटा अधूरा, देश में संविधान का ठीक से पालन नहीं

**लखनऊ (एजेंसी)**
देश में आज यानी 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जा रहा है। भाजपा की सरकार ने इस अवसर पर बड़ा आयोजन किया है, जबकि बहुजन समाज पार्टी के साथ ही अन्य दल इसका विरोध कर रहे हैं।

बसपा मुखिया ने तो देश में संविधान का ठीक से पालन ना होने के विरोध में संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल ना होने का फैसला किया है। मायावती ने कहा कि परम पूजनीय डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी ने भारतीय संविधान में देश के कमजोर एवं उपेक्षित वर्गों को विशेषकर शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों आदि में आरक्षण एवं अन्य जरूरी सुविधाओं का प्रावधान किया है। उसका पूरा लाभ इन वर्गों के लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

जिसको लेकर इन वर्गों के लोग और हमारी पार्टी बहुत ज्यादा दुखी है। केन्द्र और राज्य की सभी सरकारें इस वर्ग पर जरूर ध्यान दें, यह बीएसपी इनको सलाह देती है। इन वर्गों के लोगों को सपा जैसी पार्टियों से जरूर सावधान रहना चाहिए, जिसने एससी और एसटी सम्बंधित बिल को सांसद में फाड़ दिया था। षड्यंत्र के तहत पास भी नहीं होने दिया था। समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियां कभी भी इन वर्गों का उत्थान एवं विकास नहीं करना चाहती है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी और राज्य सरकारें इस बात की गहन समीक्षा करें कि क्या यह पार्टियां संविधान का सही से पालन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह लोग इसका सही से पालन नहीं कर रहे हैं, इसलिए हमारी पार्टी ने केन्द्र और राज्य सरकारों के संविधान दिवस मनाने के कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि एससी, एसटी तथा ओबीसी वर्ग का ज्यादातर विभागों में आरक्षण का कोटा अधूरा पड़ा है।

एससी एसटी और ओबीसी वर्गों का सरकारी विभागों में अभी भी कोटा अधूरा पड़ा है। शोषित, वंचित एवं गरीब वर्गों के लोगों का आज भी अपने हक के लिए सड़कों पर धरना प्रदर्शन जारी है। प्राइवेट सेक्टर में भी इन वर्गों के लिए आरक्षण देने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। केन्द्र और राज्य सरकारें प्राइवेट सेक्टरों में आरक्षण के मामले को लेकर तैयार नहीं है। क्या केन्द्र और राज्य सरकारें संविधान का पालन कर रही है। ऐसी सरकारों को संविधान दिवस मनाने का कतई भी नैतिक अधिकार नहीं है। ऐसी सरकारों को आज इस मौके पर इन वर्गों के लोगों से माफी मांगना चाहिए। अपने देश में हर वर्ग के लोग रहते हैं विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं।

इन वर्गों के तथा सभी धर्मों के लोगों के लिए जो कानून बने हैं उसका केन्द्र और राज्य सरकार सही से पालन नहीं कर रही है। इनके लिए निजी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई है। केन्द्र और राज्य सरकारे इस मामले में कानून बनाने के लिए तैयार नहीं है। ऐसी सरकारों को संविधान दिवस मनाने का अधिकार नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि देश में आए दिन गरीबी और महंगाई बढ़ रही है। इस महंगाई से मध्यम वर्ग के लोग बहुत ज्यादा दुखी हैं। केन्द्र और राज्य सरकार मंहगाई कम करने के लिए गंभीर नजर नहीं आ रही है। किसान आंदोलन का एक वर्ष पूरा हो चुका है। किसानों की और भी अन्य जरूरी मांगे हैं, जो सरकार जल्द से जल्द मान ले यह बीएसपी की मांग है। आज संविधान दिवस के मौके पर केन्द्र व राज्य सरकार इस बात की गहन समीक्षा करें क्या सरकार भारतीय संविधान को पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पालन कर रही है। केन्द्र और राज्य सरकारें संविधान का पालन बिल्कुल नहीं कर रही हैं।

## जौनपुर में एक ओर संविधान दिवस तो दूसरी ओर अराजकतत्वों ने खंडित कर दी आंबेडकर प्रतिमा

**जौनपुर (एजेंसी)** भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा अराजक तत्वों के निशाने पर आ गई है। गुरुवार की रात सरायख्वाजा थाना क्षेत्र पाल्हामऊ खुर्द गांव के पार्क में स्थापित आंबेडकर की मूर्ति अज्ञात अराजकतत्वों ने खंडित कर दी। शुक्रवार की सुबह मूर्ति का सिर धड़ से अलग देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए। खबर लगते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। पार्क के आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि रात करीब 11:30 बजे बाइक से कोई पार्क के पास आकर रुका था। कुछ देर बाद वह कब चला गया पता ही नहीं चला। यह सोचकर कि कोई राहगीर लघुशंका समाधान को रुका होगा, किसी ने रात के समय गौर भी नहीं किया। स्थानीय लोगों द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि उसी बाइक सवार ने प्रतिमा खंडित की होगी। सुबह इस बाबत जानकारी होने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने पहुंचकर लोगों को शांत कराने के साथ ही मूर्ति को ठीक करने के लिए प्रशासन को सूचित कर दिया। इस दौरान लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच पड़ताल करने के साथ ही मौके पर सुरक्षा लिए पुलिस बल की तैनाती भी कर दी गई है। गुस्साए ग्रामीणों ने मल्हनी-छबीलेपुर मार्ग पर जाम लगा दिया। करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर हिमांशु नागपाल और सीओ सदर रणविजय सिंह ने नई प्रतिमा लगवाने का आश्वासन दिया। साथ ही असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया, लेकिन मौके पर जमा लोग नहीं माने। बढ़ रही भीड़ व खराब हो रही स्थिति के बीच पीएसी को भी सुरक्षा कारणों से बुला लिया गया। पल्हामऊ खुर्द गांव में जौनपुर-मल्हनी मार्ग से सटे पार्क में भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा लगी हुई है। प्रतिमा काफी बड़ी और ऊंचाई पर थी। गांववालों का कहना है कि आए दिन जगह-जगह आंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी जा रही है, लेकिन पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाया। पुलिस व आम लोगों में हुई काफी देर तक हुई नोंक -झोक के बाद स्थिति कसी तरह सामान्य हुई। हालांकि दोपहर बाद तक मूर्ति तोड़ने वाले लोग पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

## बसपा मुखिया मायावती ने बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह को बनाया बसपा विधानमंडल दल का नेता

**लखनऊ (एजेंसी)** बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को बलिया के रसड़ा से विधायक उमाशंकर सिंह को बसपा विधानमंडल का नेता नियुक्त किया है। बसपा विधानमंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दिया था, तभी से यह पद खाली चल रहा था।

बलिया के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से सदस्य उमाशंकर सिंह 2012 के बाद 2017 में मोदी लहर में भी चुनाव जीते थे। रसड़ा विधानसभा क्षेत्र को फ्री वाइ-फाइ सेवा दिलाने वाले उमाशंकर सिंह को शुक्रवार को विधानमंडल दल का नेता घोषित करने के बाद बसपा मुखिया मायावती ने उनको बधाई भी दी है। मायावती ने शुक्रवार को मीडिया में जारी बयान में कहा कि मैं आपको यह बताना चाहती हूं कि हमारी पार्टी

के वरिष्ठ विधायक उमाशंकर सिंह को बीएसपी विधानमंडल दल का नेता बना दिया गया है। इनको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) ने उत्तर प्रदेश के विधायकों की जो कुंडली जारी की है, उसके अनुसार रसड़ा से बसपा के विधायक उमाशंकर सिंह अधिक सम्पत्ति वाले प्रदेश के टॉप दस विधायकों में हैं।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का नाम नौवें नम्बर पर दर्ज है। रसड़ा विधायक उमाशंकर सिंह आयकर विवरण में सबसे ज्यादा वार्षिक आय घोषित करने वाले विधायकों में शीर्ष पर हैं। धनी विधायकों में नम्बर एक पर आजमगढ़ के मुबारकपुर से विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली का नाम है। गौरतलब है कि बसपा विधानमंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने गुरुवार को विधानसभा सदस्य के साथ ही पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दिया था। आजमगढ़ के मुबारकपुर से विधायक शाह आलम को मायावती ने इसी वर्ष तीन जून को ही पार्टी के विधानमंडल दल का नेता बनाया था। शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली आजमगढ़ के मुबारकपुर से 2012 तथा 2017 में विधानसभा का चुनाव जीते हैं।

बसपा ने जमाली को 2014 में आजमगढ़ लोकसभा सीट से मुलायम सिंह यादव के खिलाफ भी मैदान में उतारा था। शाह आलम को मायावती का बेहद करीबी माना जाता था। बीते वर्ष राज्यसभा चुनाव के बाद जब कई बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ी और बगावती रुख अख्तियार किया तो शाह आलम पर ही मायावती ने भरोसा जताया था।

## खाकी की नाक के नीचे से कारतूस निकाल लाया सदरुद्दीन का परिवार, पूरा नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

**मेरठ (एजेंसी)** शबी और रजी हथियार और कारतूस के बड़े सप्लायर हैं। बदमाशों के बड़े गैंग की मांग पर उन्होंने अपने चचेरे भाई और देवबंद जीआरपी में तैनात जहीन से पुलिस मालखाने में सेंध लगवाकर सरकारी कारतूस हासिल किए। सरकारी कारतूसों की मनमानी कीमत वसूलते थे। इटली के कारतूस लावड़ निवासी शमीम पीएल शर्मा रोड से दिला रहा था। हालांकि दोनों भाइयों का दावा है कि शिकार करने के मकसद से उन्होंने कारतूस और असलाह घर में छिपा रखा था। 15 साल से सदरुद्दीन का परिवार करोड़ों रुपये का असलाह और कारतूस बेच चुका है। परिवार की महिलाएं भी घर पर कारतूस बनाती थीं। कारतूस बनाने के उपकरण और विस्फोटक भी पुलिस को मिला है। कारतूस सप्लाई में बाहरी लोगों को माध्यम नहीं बनाते थे, जिससे वे अब तक पुलिस से बेचते रहे। क्राइम ब्रांच के कुछ सिपाहियों से भी उनका मेल-जोल है। उनके बचने में पुलिस की भी अहम भूमिका है। रजी ने कुछ दिन पहले अफजाल के घर पर सिपाही प्रवीण का सहारा लेकर गोकशी पकड़वाई थी। थाने या पुलिस लाइन के मालखाने में कारतूस कम होने पर शबी और रजी से लेकर ही इनकी पूर्ति की जाती थी। हर थाने और पुलिस लाइन में मालखाना इंचार्ज तक के नंबर उनके मोबाइल में मिले है। एसपी जीआरपी अपर्णा गुप्ता को सिपाही जहीन की रिपोर्ट भी भेज दी गई है। सिपाही की गिरफ्तारी के बाद ही पता चलेगा कारतूस कहां से चोरी किए गए। रजी और शबी ने बताया कि कारतूस सिपाही से पांच हजार रुपये में खरीदे थे।

## कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का प्रयागराज दौरा आज, चार लोगों की हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मिलेंगी

**लखनऊ (एजेंसी)**
उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद गंभीर हो चुकीं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा प्रदेश के हर कोने में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के साथ ही किसी भी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी रहने को आतुर हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार को अपने पुरखों की धरती प्रयागराज के दौरे पर रहेंगी। यहां पर प्रियंका गांधी एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या से आहत लोगों से भेंट करेंगी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार को दिन में फाफामऊ के एक गांव में दलित परिवार की किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद पूरे परिवार की हत्या का मामला सामने आने के प्रयागराज के दौरे पर रहेंगी। जिला प्रशासन की तरफ से केवल पांच लोगों को अनुमति दिए जाने पर मंथन चल रहा है। उधर, पोस्टमार्टम के बाद चारों के शव परिजनों को सौंप दिया गया है। अंतिम संस्कार न करने को लेकर ग्रामीण हंगामा कर रहे हैं। प्रशासन उन्हें मनाने की कोशिश में जुटा है।

प्रयागराज पहुंचने के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा सोरांव विधानसभा के गोहरी गांव में पासी के स्वजन से भेंट करेंगी। मजदूरी करने वाले पासी, उनकी पत्नी, बेटे और बेटी की दबंगों ने मंगलवार देर रात कुल्हाड़ी से प्रहार से निर्मम हत्या की दी थी। इस दौरान नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म भी किया गया। यहां पर स्थानीय दबंगों ने कुछ दिन पहले घर जाकर धमकाया था, फिर भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। प्रियंका गांधी वाड्रा गोहरी पहुँचकर इस नरसंहार में मारे गये लोगों के स्वजन से मिलकर उनका दुख बांटेंगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा इससे पहले भी लखीमपुर खीरी में आठ लोगों की हत्या के बाद आगरा में थाना में एक की मौत के बाद उनके परिवार के लोगों से मिली थीं। इतना ही नहीं उन्होंने कांग्रेस की तरफ से पीड़ित परिवार के लोगों को सांत्वना देने के साथ ही आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई थी। प्रियंका गांधी वाड्रा के आज के प्रयागराज दौरे को लेकर भाजपा के साथ ही अन्य दलों की भी निगाह लगी हुई है। गौरतलब है कि मंगलवार की रात को प्रयागराज में जमीन की रंजिश में नाबालिग दलित से सामूहिक दुष्कर्म कर पूरे परिवार की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। फाफामऊ थाना क्षेत्र के गांव में इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम मंगलवार रात दिया गया। दो दिन तक चारों शव घर में ही पड़े रहे और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। गुरुवार सुबह इसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। आइजी, डीएम, एसएसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

फोरेंसिंक और डाग स्क्वायड की टीम ने जांच पड़ताल की। मामले के राजफाश के लिए पुलिस की चार टीमें बनाई गई हैं, साथ ही क्राइम ब्रांच और एसटीएफ को भी लगाया गया है। मृतक के भाई की तहरीर पर गांव के 11 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। आइजी डा. राकेश सिंह ने इंस्पेक्टर फाफामऊ रामकेवल पटेल व सिपाही सुशील सिंह को निलंबित कर दिया है।

## एक नज़र

### कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली दंगे से जुड़े डकैती के मामले में एक और आरोपित को बरी किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)** दिल्ली दंगे के दौरान न्यू उसमानपुर में घरों को नुकसान पहुंचाने और डकैती डालने के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने एक आरोपित को बरी कर दिया। जबकि दूसरे आरोपित पर केवल चोरी कर उस सामान को अपने पास रखने का आरोप तय करते हुए मामले को सुनवाई के लिए मुख्य महानगर दंडाधिकारी के कोर्ट को भेज दिया।

दंगाइयों ने ब्रह्मपुरी गली नंबर-दो में रहने वाली मेहर निगार के घर को नुकसान पहुंचाने के साथ उनकी बेटी के दहेज का सामान व नकदी लूट ली थी। उनके चार किरायेदारों के यहां भी लूटपाट की थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपित रोहित और अंकुश शर्मा के खिलाफ दंगा करने, सरकारी आदेशों की अवहेलना करने, डकैती डालने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई आरोप लगाते हुए आरोपपत्र दायर किया था। बचाव पक्ष की तरफ से अधिवक्ता आरएस गोस्वामी ने दलील दी कि उनके मुवक्किल रोहित का घटना में शामिल होने का कोई भी साक्ष्य नहीं है।

अंकुश पर भी दंगा करने का आरोप नहीं बनता है। उधर, अभियोजन पक्ष ने इलाके में लगे पीडब्ल्यूडी के सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर से जुटाए फुटेज का हवाला देते हुए रोहित और अंकुश को आरोपित बताया। कहा कि रोहित ने कैमरे भी तोड़े थे। यह भी बताया कि इसमें दो आरोपित फरार चल रहे हैं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अभियोजन की दलील से असहमति जताई। कोर्ट ने कहा कि आरोपित रोहित के खिलाफ कोई गवाह या इलेक्ट्रानिक साक्ष्य नहीं है।

इस बात पर भी उसे आरोपित नहीं माना जा सकता कि वह दूसरी गली में दिखाई दिया, जिसकी घटना स्थल से दूरी विचार करने योग्य है। वह किसी फुटेज में शिकायतकर्ता के घर की तरफ जाता भी नजर नहीं आ रहा। ऐसे में रोहित को बरी किया जाता है। कोर्ट ने कहा कि अंकुश के कब्जे से शिकायतकर्ता के घर से चोरी फ्रिज बरामद हुआ है। ऐसे में उस पर केवल चोरी कर उस सामान को अपने पास रखने का आरोप बनता है। दंगा करने या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप नहीं बनता। इसको लेकर कोई साक्ष्य भी अदालत में उपलब्ध नहीं कराया गया है।

### जानलेवा हमला करने के आरोपित को पांच साल कैद की सजा, छह साल पहले किया था अटैक

**नई दिल्ली (एजेंसी)** सीलमपुर इलाके में जानलेवा हमला करने के छह साल पुराने मामले में कोर्ट ने आरोपित को पांच साल कैद सजा सुनाई है। 15 हजार रुपये जुर्माना लगाने के साथ पीड़ित परिवार के लिए मुआवजा भी तय किया है। वसीम ने सितंबर 2015 में अपने साथी आसिफ उर्फ छिपरा के साथ मिलकर सीलमपुर मार्केट के-ब्लाक में आसिफ उर्फ अशी के पेट में गोली मारी थी। वारदात के कुछ वक्त बाद ही पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था।

अगस्त 2017 में आरोपित आसिफ उर्फ छिपरा की मौत हो गई थी। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को बताया था कि आरोपित वसीम के खिलाफ पुलिस के पास दो गवाह और मोबाइल की सीडीआर है। जिससे यह पता चलता है कि वसीम ने ही वारदात को अंजाम दिया। बीती 16 अगस्त को कड़कड़डूमा के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव के कोर्ट ने आरोपित को दोषी करार देते हुए कहा था कि घायल युवक और गवाहों के बयान मेल खा रहे हैं।

दोनों गवाह झूठ नहीं बोल सकते। इस मामले में सजा पर सुनवाई होने से पहले न्यायाधीश विनोद यादव का स्थानांतरण राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश के पद हो गया था। दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश पर सजा तय करने के लिए इस मामले की फाइल को राउज एवेन्यू कोर्ट भेजा गया था। वहां से सजा पर निर्णय हुआ है।

### सीलमपुर इलाके में छह साल पहले जानलेवा हमला, कोर्ट से आरोपित को मिली पांच साल कैद की सजा

**नई दिल्ली (एजेंसी)** सीलमपुर इलाके में जानलेवा हमला करने के छह साल पुराने मामले में कोर्ट ने आरोपित को पांच साल कैद सजा सुनाई है। 15 हजार रुपये जुर्माना लगाने के साथ पीड़ित परिवार के लिए मुआवजा भी तय किया है। वसीम ने सितंबर 2015 में अपने साथी आसिफ उर्फ छिपरा के साथ मिलकर सीलमपुर मार्केट के-ब्लाक में आसिफ उर्फ अशी के पेट में गोली मारी थी। वारदात के कुछ वक्त बाद ही पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था।

अगस्त 2017 में आरोपित आसिफ उर्फ छिपरा की मौत हो गई थी। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को बताया था कि आरोपित वसीम के खिलाफ पुलिस के पास दो गवाह और मोबाइल की सीडीआर है। जिससे यह पता चलता है कि वसीम ने ही वारदात को अंजाम दिया। बीती 16 अगस्त को कड़कड़डूमा के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव के कोर्ट ने आरोपित को दोषी करार देते हुए कहा था कि घायल युवक और गवाहों के बयान मेल खा रहे हैं। दोनों गवाह झूठ नहीं बोल सकते। इस मामले में सजा पर सुनवाई होने से पहले न्यायाधीश विनोद यादव का स्थानांतरण राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश के पद हो गया था। दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश पर सजा तय करने के लिए इस मामले की फाइल को राउज एवेन्यू कोर्ट भेजा गया था।

वहां से सजा पर निर्णय हुआ है। वहीं एक अन्य मामले में दंगे के दौरान भड़काऊ भाषण को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा व अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ आप नेता मनीष सिसोदिया, अमानतुल्ला खान और एआइएमआइएम विधायक वारिस पठान के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता अजय गौतम ने राष्ट्र विरोधी ताकतों का पता लगाने की मांग की है।दिल्ली पुलिस ने हाई कोर्ट को बताया, 758 मामले हुए थे दर्ज, एक और विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का दिया गया निर्देश

### फेसबुक पर युवक को विदेशी महिला से दोस्ती की चुकानी पड़ी भारी कीमत

**नई दिल्ली (एजेंसी)** बुध विहार थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति को फेसबुक पर विदेशी महिला से दोस्ती करीब सवा तीन लाख रुपये की पड़ी। कथित महिला ने उससे 3.15 लाख रुपये ठग लिए। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में एक विदेशी नागरिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मणिपुर की सुनीता कोसम, एंथनी डौंगिल व बरमुडा के नेल्सन के रूप में हुई है। आरोपितों के पास से तीन लाख रुपये नकद, 82 डेबिट कार्ड, बैंकों की 40 पासबुक, 28 मोबाइल आदि बरामद हुए हैं।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त प्रणव तायल ने बताया कि अगस्त में रोहिणी सेक्टर पांच के दिग्विजय ने फेसबुक पर एक कथित विदेशी महिला से दोस्ती की। उसने दिग्विजय को उपहार में कुछ कपड़े भेजने की बात कही। कुछ दिनों बाद दिग्विजय को एक महिला (कोरियर कर्मी) का फोन आता है कि उसका विदेश से कोरियर आया है। जिसकी कस्टम क्लीयरेंस के लिए उसे 36 हजार रुपये देने होंगे। उसने पैसे भेज दिए तो उस महिला ने फिर फोन कर कहा कि कोरियर में 45 हजार अमेरिकी डालर हैं। इसकी क्लीयरेंस के लिए उसे और रुपये देने पड़ेंगे। दिग्विजय ने उसकी बातों पर विश्वास कर उसे 3.15 लाख रुपये भेज दिए। पुलिस को जांच के दौरान पता लगा कि जिन बैंक खातों में दिग्विजय ने पैसे भेजे हैं। उन खातों में 100 से ज्यादा लोगों ने उसी तरह करोड़ों रुपये भेजे हैं।

जैसे ही पैसे खातों में आते थे आरोपित पैसे निकालकर गिरोह के मास्टर माइंड नाइजीरिया के रोनाल्ड कोनन और साइमन के बैंक के खातों में भेज देते थे। रोनाल्ड कोनन को मोहन गार्डन थाना पुलिस ने इलाके में दंगा करने के मामले में अक्टूबर में गिरफ्तार किया था, फिलहाल वह जेल में है। जबकि साइमन कुछ समय पहले भारत छोड़ चुका है। सुनीता कोसम रोनाल्ड कोनन की महिला मित्र है। वही अलग-अलग बैंक में खाता खुलवाती थी और खाते में पैसे आने के बाद उसे नाइजीरिया भेजती थी।

# केजरीवाल सरकार जनवरी से करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी की तीर्थ यात्रा पर भेजेगी दिल्ली के बुजुर्ग को

**मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर करतारपुर और वेलंकन्नी तीर्थ स्थल को भी मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में किया गया शामिल**

**दिल्ली से करतारपुर साहिब के लिए डीलक्स बस से यात्रियों का पहला जत्था 05 जनवरी को और वेलंकन्नी के लिए पहली ट्रेन 07 जनवरी 2022 को होगी रवाना**

**विकास सैनी.ओपन सर्च**

**नई दिल्ली।** केजरीवाल सरकार ने नववर्ष पर दिल्ली के बुजुर्गों को एक बड़ा तोहफा दिया है। अब दिल्ली के बुजुर्ग करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी की भी तीर्थ यात्रा कर सकेंगे और यह यात्रा जनवरी 2022 में शुरू होगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर राजस्व विभाग ने करतारपुर और वेलंकन्नी तीर्थ स्थल को मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की सूची में शमिल कर लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की घोषणा के बाद राजस्व विभाग ने करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए प्लान बना लिया है। दिल्ली से करतारपुर के लिए डीलक्स एसी बस से यात्रियों का पहला जत्था 05 जनवरी को रवाना होगा और वेलंकन्नी के लिए यात्रियों को लेकर पहली ट्रेन 07 जनवरी 2022 को रवाना होगी। वहीं, अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए दिल्ली से आगामी 03 दिसंबर को तीर्थ यात्रियों को लेकर पहली ट्रेन रवाना होगी। राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने आज उच्च स्तरीय बैठक कर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दिल्ली के राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना (एमएमटीवाई) की आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा की सूची में शामिल करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी तीर्थ स्थलों के साथ दिल्ली से अयोध्या तीर्थ स्थल के लिए रवाना होने वाले तीर्थ यात्रियों को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग, आईटी विभाग, दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), तीर्थ यात्रा विकास समिति और भारतीय रेलवे कैटरिंग और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए दिल्ली से यात्रियों के पहले जत्थे को लेकर 03 दिसंबर 2021 को ट्रेन रवाना होगी। दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अभी 13 तीर्थ स्थलों के नाम ही शामिल थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर तीर्थ स्थलों की सूची में वेलंकन्नी और करतारपुर साहिब तीर्थ स्थल को भी शामिल कर लिया गया है। दिल्ली से वेलंकन्नी तीर्थ स्थल जाने वाले यात्रियों को दिल्ली सरकार की तरफ से एसी थ्री टियर ट्रेन में सीट उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, करतारपुर साहिब के लिए दिल्ली के श्रद्धालुओं को डीलक्स एसी बस से भेजने की योजना बनाई गई है। दिल्ली से करतारपुर साहिब के लिए एसी बस के जरिए यात्रियों का पहला जत्था 05 जनवरी 2022 को रवाना होगा और दिल्ली से वेलंकन्नी यात्रा के लिए यात्रियों को लेकर पहली ट्रेन 07 जनवरी 2022 को रवाना होगी। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की वजह से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना पर रोक लगा दी गई थी। इस दौरान 15 हजार लोगों ने तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन किया था, लेकिन यात्रा पर रोक की वजह से यह लोग योजना का लाभ नहीं उठा पाए थे। अब ऐसे आवेदकों को उनके पंजीकृत मोबाइल पर एसएमएस भेजा जाएगा। अगर वे अयोध्या का दर्शन करने के इच्छुक हैं, तो उन्हें दिल्ली-अयोध्या-दिल्ली मार्ग चुनने के लिए ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर अपने आवेदनों में संशोधन करना होगा। साथ ही, वैक्सीनेशन की दोनों डोज प्राप्त करने का सर्टिफिकेट अपलोड करने के विकल्प के बारे में उन्हें सूचित किया जाएगा। दिल्ली सरकार इस योजना के तहत यात्रा के दौरान सभी एसी ट्रेनों और एसी बसों में यात्रियों के साथ डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीम भी भेजेगी। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत दिल्ली के वरिष्ठ नागरिक सरकारी खर्च पर तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। कोविड महामारी के कारण 2020 और 2021 में यह तीर्थ यात्रा नहीं संपन्न हो सकी थी। कोरोना नियंत्रित होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दोबारा से यात्रा शुरू की जा रही है। राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने 30 सितंबर को भी उच्च स्तरीय बैठक कर तीर्थ यात्रा योजना की तैयारियों की समीक्षा की थी। उस समीक्षा बैठक में आईआरसीटीसी ने बताया था कि 15 अक्टूबर 2021 के बाद ही ट्रेनों को यात्रा के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर हाल ही में दिल्ली कैबिनेट ने नई दिल्ली-अयोध्या-नई दिल्ली तीर्थ यात्रा रूट को भी सूची में शामिल किया था। वहीं, अब करतारपुर साहिब और वेलंकन्नी तीर्थ स्थल

## वायु प्रदूषण के चलते महीने से घर से नहीं निकली बीवी दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष का छलका दर्द

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

दीवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण स्थिति लगातार खराब बनी हुई है। हवाओं के चलते पिछले दिनों हल्की सी राहत तो मिली लेकिन एक बार फिर वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार चला गया है, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक है खासतौर से बच्चों और बुजुर्गों के लिए। पिछले दिनों वायु प्रदूषण को लेकर चली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की थी, वहीं दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल शुक्रवार को इस मुद्दे पर नाराज हो गए। इस दौरान अपनी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण के चलते एक महीने से मेरी पत्नी घर से बाहर नहीं निकली।

दिल्ली विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र शुरू होते ही सदन में जोरदार हंगामा हो गया। दिल्ली विधानसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के साथियों ने वायु प्रदूषण पर हंगामा किया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने प्रदूषण के लिए भाजपा को ही जिम्मेदार ठहराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा ने ही रोक के बावजूद दिल्ली में खूब पटाखे फोड़े। इस पर गुस्से में विधानसभा अध्यक्ष वायु प्रदूषण को लेकर अपना दर्द भी बयां कर गए। राम निवास गोयल ने कहा कि एक महीने से मेरी पत्नी घर से बाहर नहीं निकली। उधर, दिल्ली विधानसभा में शराब नीति और प्रदूषण पर बोलने की अनुमति नहीं मिलने और तीन विधायकों मोहन सिंह बिष्ट, जितेंद्र महाजन और अनिल वाजपेयी को सदन से बाहर निकालने के विरोध में सभी भाजपा विधायक विधानसभा के प्रांगण में ही महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरने पर बैठ गए हैं। इससे पहले दिल्ली विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र की शुरुआत बृहस्पतिवार को वंदेमातरम से हुई। इस मौके पर पूर्व विधायक ताजदार बाबर, रूपचंद और अरविंदर सिंह के साथ-साथ तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली-एनसीआर की सीमाओं पर मारे गए किसानों को भी श्रद्धांजलि प्रदान की गई। इसके साथ ही संविधान दिवस पर सभी सदस्यों ने प्रस्तावना भी पढ़ी। बता दें कि कृषि से जुड़े मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को बुलाया है। इस सत्र में दिल्ली के किसानों, उन्हें दिए जाने वाली सुविधाएं, देश में किसानों के हालात, विरोध-प्रदर्शन के दौरान जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देने, फसलों की एमएसपी, मंडियों की उपयोगिता सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी। दिल्ली विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान जहां सत्ता पक्ष के पार्षद किसानों के हितों के पक्ष में आवाज उठाएंगे वहीं विपक्ष कई मुद्दों को लेकर हंगामा कर सकता है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का वर्ष 2019-20 हेतु छठा वार्षिक प्रतिवेदन और इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईआईटीडी) के वित्तीय वर्ष 2019-20 के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा कृत्य कार्रवाई रिपोर्ट सदन पटल पर रखेंगे। वहीं सदस्य राखी बिड़लान और भावना गौड़ सदन में प्रश्न एवं संदर्भ समिति का प्रथम प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। इसके बाद विशेष उल्लेख (नियम-280) के तहत मामले उठाए जाएंगे। विकास मंत्री गोपाल राय कृषि कानूनों और किसान आंदोलन के संबंध में सरकारी संकल्प सदन में रखेंगे। इस पर चर्चा की जाएगी और बाद इसे पारित किया जाएगा।

## गोविंदपुरी में घर में घुसकर धारदार हथियार से महिला की हत्या, हत्या के बाद घर को बंदकर भाग गया हत्यारा

**नई दिल्ली (एजेंसी)** गोविंदपुरी इलाके में महिला के घर में घुसकर धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद हत्यारा महिला की लाश को घर के अंदर ही बंद कर फरार हो गया। वारदात की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस जब ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुई तो पाया कि खून से लथपथ शव अंदर पड़ा हुआ है। महिला के गर्दन पर धारदार हथियार से रेतने का निशान बना हुआ था। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार 41 वर्षीय शीला देवी परिवार के साथ गोविंदपुरी की एक इमारत में पहले तल पर रहती थी। महिला इस मकान में 11 माह से अपने पति से अलग रह रही थी। बृहस्पतिवार दोपहर 12:07 बजे गोविंदपुरी थाने की पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला का कत्ल करने के बाद उसके शव को अंदर बंद कर दिया गया है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां पता चला कि घर में बाहर से ताला लगा हुआ है। मौके पर क्राइम ब्रांच और एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। घटनास्थल का जायजा लेने के लिए बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। शुरुआती जांच के अनुसार यह अंदेशा जताया जा रहा है कि इस पूरी वारदात के पीछे किसी नजदीकी शख्स का हाथ हो सकता है। महिला के पति के साथ ही के अन्य स्वजन व रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जा रही है। नई दिल्ली के गुलाबी बाग थाना पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की प्रताप नगर इलाके में सप्लाई के लिए अवैध शराब की बड़ी खेप आने वाली है।

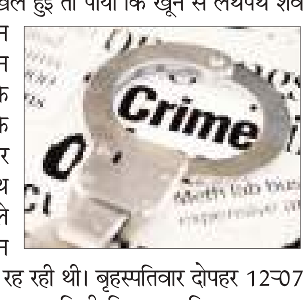


## नई आबकारी नीति के तहत दिल्ली में जिन बिल्डिंगों में खुला शराब का ठेका

**नई दिल्ली (एजेंसी)** नई आबकारी नीति के तहत खुल रहे शराब के ठेकों का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दक्षिणी निगम ने भवन विभाग को निर्देश दिया है कि उन सभी इमारतों की जांच की जाए, जिनमें शराब के ठेके खोले गए हैं। भवन निर्माण में अनिमियतता पाए जाने पर इन इमारतों की सीलिंग के आदेश जारी किए गए हैं। महापौर ने भवन विभाग को निर्देश दिया है कि वह 15 दिन के भीतर इन सभी इमारतों की जांच और कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करे। दरअसल, दक्षिणी निगम सदन की बैठक में प्रदूषण की समस्या को लेकर चर्चा हो रही थी। इसी बीच कांग्रेस के पार्षद शराब की खाली बोतलों की माला पहनकर विरोध करने लगे तो भाजपा पार्षदों ने भी शराब नीति के विरोध में पर्चे दिखाकर विरोध किया।

साथ ही रिहायशी क्षेत्रों में खोली जा रही शराब की दुकानों को बंद करने की मांग की। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों ने ठेकेदारों का बकाया भुगतान न होने से प्रभावित हो रहे विकास कार्यो को लेकर महापौर के आसन के सामने पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदूषण और आबकारी नीति के विरोध में भाजपा व कांग्रेस के पार्षदों ने राज्य सरकार का घेराव किया।

उनका आरोप था कि इससे राजधानी में युवाओं में नशे की लत को बढ़ावा मिलेगा। इससे अपराध भी बढ़ेंगे। ऐसे में इन दुकानों को बंद कराने की अपील की गई। चर्चा के समापन पर महापौर मुकेश सुर्यान ने निर्देश दिए कि इन इमारतों की जांच की जानी चाहिए कि क्या इन इमारतों के निर्माण में भवन निर्माण के नियमों का पालन किया गया है। जो शराब की दुकानें गैर व्यावसायिक इलाके या सड़क पर चल रही हैं, उन्हें भी सील किया जाना चाहिए। महापौर ने कहा कि भवन विभाग इस निर्देश का 15 दिन में पालन करके रिपोर्ट दे। दक्षिणी निगम सदन की बैठक में मोहम्मदपुर गांव का नाम माधवपुरम करने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है।

## दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में किसान आंदोलन को लेकर अरविंद केजरीवाल ने किया बड़ा खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र शुक्रवार को शुरू हुआ। इस विशेष सत्र को सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी संबोधित किया। सत्र के दौरान उन्होंने किसान आंदोलन पर अपनी बात रखी, साथ ही कुछ खास जानकारियां भी साझा की।

उन्होंने बताया कि जब किसान दिल्ली की ओर आ रहे थे तो केंद्र सरकार की ओर से दिल्ली सरकार को पत्र भेजकर स्टेडियम को जेलों में तब्दील करने के लिए कहा गया था मगर उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि आज से पूरे एक साल पहले किसान आंदोलन शुरू हुआ था।

केंद्र ने अपने अहंकार में तीनों कृषि कानून पास कराए थे। मैं बेवजह किसानों से बधाई ले रहा हूँ। सभी इस आंदोलन में शामिल हुए। बताया कि पंजाब के लोगों ने आंदोलन की अगुवाई की है। ठंड और बारिश में किसान दिल्ली की सीमाओं पर बैठे रहे। दुनिया के इतिहास में यह सबसे बड़ा आंदोलन था, अब किसानों की जीत हुई है। सत्तापक्ष ने किसानों को भड़काने में कोई कसर नही छोड़ी। 700 किसान शहीद हो गए हैं। उन्होंने बताया कि आंदोलन के दौरान किसानों को बहुत कुछ कहा गया है, इन्हें परेशान करने में कोई कसर नही छोड़ी गई। सड़क पर कीलें तक गाड़ी गई। किसानों ने सभी कुछ सहा है। उन्होंने बताया कि मेरे पास फाइल आई कि किसान आ रहे हैं स्टेडियमों को जेल बनाया जाना है। मगर मैंने मना कर दिया। इससे केंद्र सरकार हम पर बहुत नाराज हुई। उन्होंने कहा कि जो किसानों की मांगें बची हैं उन्हें केंद्र को मानना चाहिए। किसानों की फसल का न्यूनतम मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए। किसान जब तक दिल्ली की सीमाओं पर तक बैठे हैं हम उनके साथ हैं। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सदन के माध्यम से देश की किसान शक्ति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गांधी जी के बाद पहली बार ऐसा आंदोलन हुआ, जिसने अहंकारी सरकार को झुकने पर विवश कर दिया। बहुत धैर्य के साथ आंदोलन चला। नई पीढ़ी के लिए मिसाल है। प्रधानमंत्री ने एक साल तक किसानों की अनदेखी की। किसानों को बहुत हल्के में लिया। सोचा कि किसान दिल्ली में आएंगे तो उन्हें स्टेडियमों में कैद कर देंगे। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र के मंसूबों को सफल नहीं होने दिया। भाजपा ने हमेशा इस आंदोलन की आलोचना की। बार बार कृषि मंत्री और प्रधानमंत्री इस आंदोलन के खिलाफ बोलते रहे। फिर भी किसान डटे रहे। वे बधाई के पात्र हैं।

## एमएसपी की मांग पर बोले राकेश टिकैत इस कानून के अभाव में किसान हमेशा लुटेगा

**नई दिल्ली, सोनीपत, गाजियाबाद, रेवाड़ी (एजेंसी)** तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को विरोध आंदोलन के एक साल पूरे होने पर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर प्रदर्शनकारी दिल्ली-एनसीआर के बार्डर पर शुक्रवार सुबह से ही शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर के बार्डर पर धरना प्रदर्शन जारी रखने को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बार्डर पर एक अहम बैठक बुलाई है, जिसमें यह आंदोलन के अगले चरण की रणनीति पर चर्चा होगी। वहीं, यूपी गेट पर राकेश टिकैत ने अपने संबोधन में कहा कि साढ़े सात सौ किसान शहीद हुए और हजारों किसानों पर मुकदमे हुए उनका कौन हिसाब देगा। उन्होंने मांग की है कि एमएसपी पर कानून बने। एमएसपी से ही किसान को लाभ मिलेगा और जब तक यह नहीं होगा किसान लूटा जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि 27 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में निर्णय लिया जाएगा कि किसानों का अगला कदम क्या होगा? वह शनिवार को अमृतसर और रविवार को मुंबई में रहेंगे। इसके बाद 29 को यूपी गेट पर रहेंगे। राकेश टिकैत ने यह भी बता कि संसद सत्र के दौरान यहां से 30 ट्रैक्टर से 500 किसान दिल्ली जाएंगे। स्वराज पार्टी के नेता और संयुक्त किसान मोर्चा के अहम नेताओं में शुमार योगेंद्र यादव भी दिल्ली-यूपी के गाजीपुर गेट पर पहुंचे हैं। यहां पर पहले से ही यहां पर धरना प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे राकेश टिकैत मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि योगेंद्र यादव यहां पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करेंगे। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की अगुवाई वाले दिल्ली-यूपी के गाजीपुर बार्डर पर 200 से कुछ ज्यादा प्रदर्शनकारी हैं, जबकि दिल्ली-हरियाणा

के सिंघु और टीकरी बार्डर पर किसान प्रदर्शनकारियों की संख्या 4000 से अधिक हो चुकी है। सिंघु बार्डर (कुंडली बार्डर) पर शुक्रवार सुबह से लोगों का आना जारी है। कई टेंटों में लंगर चल रहे हैं। लोग जश्न मनाते हुए यहां पर आ रहे हैं। इनमें महिलाओं की संख्या की अच्छी-खासी है। टोल कर्मियों पर गुंडागर्दी का आरोप लगाते हुए किसान नेताओं ने बृहस्पतिवार को को छिजारसी टोल प्लाजा फ्री करा दिया। नेताओं का आरोप है कि टोल कर्मी अक्सर किसानों और नेताओं के साथ अभद्रता करते है। इसलिए जब तक टोल प्रबंधक आकर ठोस आश्वासन नहीं देंगे तब तक टोल फ्री रहेगा। किसान नेता दिनेश खेड़ा के नेतृत्व में किसान नेता सुबह 11:30 बजे टोल प्लाजा पर पहुंचे। पहुंचते ही किसानों ने टोल के बेरियर हटा दिए और टोल फ्री करा दिया। इसके बाद लेन नंबर 9 में किसान नेता धरना देकर बैठ गए। सीओ तेजवीर सिंह ने कई बार धर्मा कार्यो को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह असफल रहे। इस दौरान किसान नेताओं को पता चला कि टोल प्लाजा पर आनलाइन टोल लिया जा रहा है। इसके चलते किसान नेताओं ने सिस्टम को बंद कराने के चलते जनरेटर को बंद कर दिया। इसके बाद टोल पूरी तरह फ्री हो गया। किसान नेता दिनेश खेड़ा का कहना है कि मामले का समाधान होने तक टोल फ्री रहेगा। दिल्ली से सटे साहिबाबाद में कानून विरोधी प्रदर्शन के एक साल पूरा होने पर शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों ने यूपी गेट पर पंचायत करके शक्ति प्रदर्शन करने का एलान किया। इसके मद्देनजर यहां सुबह से प्रदर्शनकारियों के आने का सिलसिला जारी है। अब तक यहां करीब 250 प्रदर्शनकारी पहुंच चुके हैं। यूपी गेट पर किसी संभावित हंगामे के मद्देनजर गाजियाबाद पुलिस-प्रशासन भी सतर्क हो गया है। प्रदर्शन स्थल के अलावा डाबर चौक, वैशाली सेक्टर एक कट पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। किसान नेताओं ने पिलखुवा के छिजारसी टोल प्लाजा को शुक्रवार को सुबह फ्री करवा लिया है। सिंघु और टीकरी बार्डर पर किसानों की संख्या बढ़ गई है।

देश भर के किसानों से यहां पहुंचने का आह्वान किया गया था। सिंघु बार्डर पर शुक्रवार को होने वाले प्रदर्शन में कुंडली बार्डर पर पंजाबी कलाकार बब्बू मान, सिप्पी गिल समेत कई बड़ी हस्तियां पहुंचेंगी। इसके अलावा इंटरनेट मीडिया पर लगातार देशवासियों और अन्य संगठनों से सहयोग मांगा जा रहा है। गौरतलब है कि नए कृषि कानूनों की वापसी और न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून बनाने सहित कुछ मुद्दों को लेकर पिछले साल 26 नवंबर को हरियाणा के सिंघु और टीकरी बार्डर पर किसानों का आंदोलन शुरू हुआ था।

## सम्पादकीय

## ओपन सर्च

# संघ में घोष की विकास यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसे आरएसएस या संघ परिवार के नाम से भी जाना जाता है, उसकी स्थापना सन 1925 में हुई। संघ के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि अधिकांश लोग संघ के स्वयंसेवकों के सेवाकार्यों और शाखा पर होने वाले दंड प्रदर्शन से ही परिचित हैं किंतु संघ के ऐसे अनेकों रचनात्मक और सृजनात्मक कार्य हैं जो उसके स्वयंसेवकों की कठोर साधना से सिद्ध हुए हैं। ऐसा ही एक काम है संघ का घोष-वादन। संघ में घोष के विकास की कहानी भी बड़ी रोचक है। जैसा कहा जाता है कि संघ कार्य का विस्तार देश, काल, परिस्थिति के अनुरूप समाजोपयोगी और प्रासंगिकता के अनुरूप बड़ी सहजता से हुआ है। आरंभिक समय में शाखा पर केवल व्यायाम और सामान्य चर्चा हुआ करती थी फिर धीरे-धीरे शारीरिक और बौद्धिक कार्यक्रम होने लगे। इसी क्रम में शारीरिक अर्थात फिजिकल एक्सरसाइज में भी समता और संचलन का अभ्यास आरंभ हुआ।

संचलन के समय शारीरिक विभाग ने इस बात पर विचार किया कि यदि संचलन के साथ घोष वाद्य का प्रयोग किया जाए तो इसकी रोचकता, एकरूपता और उत्साह में चमत्कारिक परिवर्तन हो सकता है। स्वयंसेवकों की इच्छा शक्ति का ही परिणाम था कि संघ स्थापना के केवल दो वर्षों बाद 1927 में शारीरिक विभाग में घोष भी शामिल हो गया। यह इतना आसान कार्य नहीं था। उस समय दो चुनौतियाँ थीं, एक तो यह कि घोष वाद्य जो संचलन में काम आ सकें वे महँगे थे और सेना के पास हुआ करते थे। दूसरा यह कि उसके कुशल प्रशिक्षक भी सैन्य अधिकारी ही होते थे। चूँकि संघ के पास न तो इतना धन था कि वाद्य यंत्र खरीदे जा सकें और उस पर भी यह राष्ट्रभक्तों का ऐसा संगठन था जिसके संस्थापक कांग्रेस के आंदोलनों से लेकर बंगाल के क्रांतिकारियों के साथ काम कर चुके थे, इसलिए किसी सैन्य अधिकारी से स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कराना बड़ा कठिन कार्य था। उस समय सैन्य अधिकारियों को केवल सेना के घोष-वादकों को ही प्रशिक्षित करने की अनुमति थी। इस चुनौती से निबटने के लिए संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी के परिचित बैरिस्टर श्री गोविन्द राव देशमुख जी के सहयोग से सेना के एक सेवानिवृत बैंड मास्टर के सहयोग से स्वयंसेवकों को घोष वाद्यों का प्रशिक्षण दिलाया गया। शंख वादन के लिए मार्तंड राव तो वंशी के लिए पुणे के हरिविनायक दात्ये जी आदि स्वयंसेवकों ने शंख, वंशी,आनक जैसे वाद्य यंत्रों पर अभ्यास आरंभ किया। इस प्रकार संघ में घोष का एक आरंभिक स्वरूप खड़ा हुआ। पाश्चात्य शैली के बैंड पर उनके ही संगीत पर आधारित रचनाएँ बजाने में भारतीय मन को वैसा आनंद नहीं आया जैसा कि आना चाहिए था। तब स्वयंसेवकों का ध्यान इस बात पर गया कि हमारे देश में हजारों वर्ष पूर्व महाभारत युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने पांचजन्य और धनुर्धारी अर्जुन ने देवदत्त बजाकर विरोधी दल को विचलित कर दिया था। भगवान कृष्ण के समान वंशी वादक संसार में कोई हुआ नहीं, अतः हमें इन वाद्यों पर ऐसी रचनाएँ तैयार करनी चाहिए जिनमें अपने देश की नाद परंपरा की सुगंध हो। स्वर्गीय बापूराव व उनके साथियों ने इस दिशा में कार्य आरंभ किया। इस प्रकार राग केदार, भूप, आशावरी में पगी हुई रचनाओं का जन्म हुआ। गौरव की बात है कि स्वयंसेवकों ने घोष वाद्यों को भी स्वदेशी नाम प्रदान कर उन्हें अपनी संगीत परंपरा के अनुकूल बनाकर उनका भारतीय करण किया। इस क्रम में साइड ड्रम को आनक, बॉस ड्रम को पणव, ट्रायंगल को त्रिभुज, बिगुल को शंख आदि नाम दिए गए जो कि ढोल, मृदंग आदि नामों की परंपरा में ही समाहित होते हैं। घोष की विकास यात्रा में प्रथम अखिल भारतीय घोष प्रमुख श्री सुब्बू श्रीनिवास जी का नामोल्लेख भी अत्यंत समीचीन होगा। आपने अनेक वर्षों तक सतत प्रवास करके घोष वर्ग और घोष शिविरों के माध्यम से पूरे देश में हजारों कुशल घोष वादक तैयार किये। घोष वादकों में निपुणता और दक्षता की दृष्टि से अखिल भारतीय घोष शिविर आयोजित किये जाने लगे। श्री सुब्बू जी घोष के प्रति इतने समर्पित रहे कि सतत प्रवास के कारण उनका स्वास्थ्य भी गिरने लगा किन्तु अंतिम साँस तक बिना रुके, बिना थके वे ध्येय मार्ग पर बढ़ते रहे।

> आरंभिक समय में शाखा पर केवल व्यायाम और सामान्य चर्चा हुआ करती थी फिर धीरे-धीरे शारीरिक और बौद्धिक कार्यक्रम होने लगे। इसी क्रम में शारीरिक अर्थात फिजिकल एक्सरसाइज में भी समता और संचलन का अभ्यास आरंभ हुआ। संचलन के समय शारीरिक विभाग ने इस बात पर विचार किया कि यदि संचलन के साथ घोष वाद्य का प्रयोग किया जाए तो इसकी रोचकता, एकरूपता और उत्साह में चमत्कारिक परिवर्तन हो सकता है।

परंपरागत वाद्य शंख, आनक और वंशी से आरंभ हुई घोष यात्रा आज नागांग, स्वरद आदि अत्याधुनिक वाद्यों पर मौलिक रचनाओं के मधुर वादन तक पहुँच गई है। घोष वादन में मौलिक और भारतीय नाद परंपरा को समृद्ध करने की यात्रा प्रथम रचना गणेश से आरंभ होकर लगभग अर्ध शतक पूर्ण कर निरंतर बढ़ती जा रही है। समाज इस बात पर गर्व कर सकता है सेना के सेवा निवृत्त घोष वादकों का सहयोग लेने वाला संघ-घोष अपने स्वयंसेवकों के अथक परिश्रम से इस अवस्था में पहुँच गया कि 1982 में भारत में संपन्न हुए एशियाड गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारतीय नेवी दल ने स्वयंसेवकों द्वारा निर्मित रचना शिवराज का वादन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

# मोबाइल फोन के नुकसान और फायद

**सुहाना मुल्ला**

आज बहुत कम लोग हैं जो मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति दैनिक जीवन संचार और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करता है।हालांकि मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते समय हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि मोबाइल फोन के फायदे और नुकसान क्या हैं। आज की दुनिया में, मोबाइल फोन ने लोगों से जुड़ने के लिए दैनिक संचार जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। मोबाइल फोन न होने पर आज का व्यक्ति एक पल के लिए भी अपना काम पूरा नहीं कर सकता।

आज के स्मार्टफोन से हम ऑडियो और वीडियो कॉल दोनों कर सकते हैं, संदेश भेज सकते हैं, ईमेल पढ़ सकते हैं, फोटो संपादित कर सकते हैं, विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों को संपादित कर सकते हैं और साथ ही सेव भी कर सकते हैं। हम सोच भी नहीं सकते कि हम मोबाइल फोन में क्या कर रहे हैं? सही नजरिए से देखा जाए तो मोबाइल फोन इंसानों के लिए एक अभूतपूर्व आविष्कार है, लेकिन इस बात को हर कोई जानता है कि हर व्यक्ति और चीज में कुछ अच्छी और कुछ बुरी चीजें होती हैं। वही मोबाइल फोन के लिए कुछ शानदार चीजें हैं और कुछ बहुत खराब चीजें जो हो सकती हैं। आइए सबसे पहले मोबाइल फोन के फायदों के बारे में कुछ बताते हैं। मोबाइल फोन ने मानव जीवन में बहुत सारे बदलाव और गति ली है - मोबाइल फोन की सबसे अच्छी बात यह है कि ये हल्के वजन के होते हैं और हर जगह ले जाने में आसान होते हैं। हम पुराने लैंड फोन और वायरलेस फोन को उनके हैवीवेट के कारण हर जगह अपने साथ नहीं ले जा सकते। आजकल, स्मार्टफोन बहुत कॉम्पैक्ट हैं और कंप्यूटर के रूप में बहुत सारी सुविधाओं के साथ उपयोग में आसान हैं। आज के स्मार्टफोन में हम अपने कंप्यूटर का 60-70त्न काम जैसे ईमेल से वीडियो कॉल और इमेज से वीडियो एडिटिंग आसानी से कर सकते हैं। आज के दौर में 4जी एलटीई फोन कुछ साल पहले ही लॉन्च हो चुके हैं, जिसमें हम मोबाइल फोन के डैशबोर्ड से सीधे वीडियो कॉल कर सकते हैं। हम विभिन्न वीडियो कॉलिंग एप्लिकेशन जैसे स्काइप, व्हाट्सएप, गूगल डुओ और फेसबुक मैसेंजर का उपयोग करके आसानी से संवाद कर सकते हैं। आज, मोबाइल फोन सिर्फ एक मोबाइल फोन नहीं है। यह विभिन्न प्रकार के कार्यों को पूरा करने का एक उपकरण बन गया है। डेवलपर्स और इंजीनियर दिन-ब-दिन

मोबाइल फोन तकनीक का उन्नयन कर रहे थे। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, पिंटरेस्ट, लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया ने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ संचार की दुनिया को बदल दिया है। अब अधिकांश सोशल मीडिया पर, हम वॉयस कॉल कर सकते हैं, टेक्स्ट संदेश भेज सकते हैं, फ़ोटो और वीडियो साझा कर सकते हैं और व्यावसायिक प्रचार के लिए पेज बना सकते हैं। स्मार्टफोन के जरिए अपने बिजनेस को प्रमोट करना भी आज के बिजनेसमैन का एक बड़ा फायदा है। उद्यमियों के लिए स्मार्टफोन से बहुत सारे ऑनलाइन स्त्रोतों और ऑफलाइन स्त्रोतों का उपयोग करके अपने व्यवसाय को बढ़ावा देना सबसे अच्छा है। अगर हम ऑनलाइन स्त्रोतों के बारे में बात करते हैं, तो हम विभिन्न सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप्लिकेशन का उपयोग कर सकते हैं। उद्यमी ज्यादातर सोशल नेटवर्किंग वेबसाइटों और व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और पिंटरेस्ट जैसे मैसेंजर एप्लिकेशन पर अपनी व्यावसायिक जानकारी साझा करके अपने व्यवसाय को बढ़ावा देते हैं। अधिकांश प्रमुख कंपनियां स्काइप जैसे वीडियो मैसेंजर ऐप का उपयोग करके वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग की व्यवस्था भी करती हैं। मोबाइल फोन टेक्स्ट मैसेज का उपयोग करके कुछ पुराने ऑफ़लाइन व्यवसाय प्रचार के तरीके थे। इस 21वीं सदी में, अभी भी, अधिकांश कंपनियां टेक्स्ट संदेशों का उपयोग करके अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रचार कर रही हैं। इसके अलावा, प्रत्येक पाठ संदेश के अंत में, वे अपनी व्यावसायिक वेबसाइट या उत्पाद पृष्ठ के लिए एक लिंक डालते हैं। आज दुनिया बदल गई है, और आपराधिक गतिविधियां अगले स्तर पर हो रही थीं। इसलिए मोबाइल फोन को हर समय अपने पास रखना सुरक्षा का एक अच्छा विकल्प है। हमने अपने इलाके में अपहरण, बलात्कार, विभिन्न चीजों की चोरी जैसी कई आपराधिक गतिविधियों के बारे में सुना है। इसलिए एक अलग तरह की गैर कानूनी गतिविधियों में मोबाइल फोन हमारी मदद करता है क्योंकि यह सबसे तेज संचार उपकरण है। इसलिए यह हमें पुलिस और रिश्तेदारों को कॉल करने में मदद करता है। इसलिए, जितनी जल्दी हो सके, वे उस स्थिति में हमारी मदद करते हैं। इस प्रकार के मुद्दों के कारण, माता-पिता अपने बच्चों को हर समय अपने पास रखने के लिए एक मोबाइल फोन भी उपलब्ध करा रहे थे। जी हाँ, यह सही है आजकल स्मार्टफोन सबसे महत्वपूर्ण फैशन और चलन है। हम सभी लोगों को अपने हाथों में स्मार्टफोन दिखाते हुए आसानी से मिल सकते हैं। अब स्मार्टफोन के फ्रंट कैमरे से सेल्फी लेना आम बात हो गई है। लोग सेल्फी लेने के लिए तरह-तरह के चेहरे के भाव बनाते हैं और उन तस्वीरों को अपनी सोशल नेटवर्किंग वेबसाइटों जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और पिंटरेस्ट पर अपलोड करते हैं। इस पीढ़ी में, यदि हम मोबाइल फोन के बारे में नहीं जानते हैं, तो लोग मुख्य रूप से हमें एक अनपढ़ व्यक्ति के रूप में मानते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ग्रामीण गांव के व्यक्ति से लेकर करोड़पति तक हर कोई मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता है। अब हमें हर छोटे शहर में एक सेल फोन टावर आसानी से मिल जाता है। एक ऐसी स्थिति के बारे में सोचें जब आप किसी अनजान सड़क पर कार चला रहे हों और आपकी कार फंस जाए। फिर मोबाइल फोन पहला उपकरण है, जो आपको मैकेनिक को जल्द से जल्द या आपके परिवार के सदस्यों को कॉल करने में मदद करेगा ताकि वे आपको उस समस्या से छुटकारा पाने के लिए मैकेनिक या कोई अन्य कार भेज सकें। कभी-कभी हम बीमार हो जाते हैं, और उस समय हमें तुरंत डॉक्टर की जरूरत होती है। तो, इस प्रकार की स्थितियों में भी हमें सबसे पहले तेजी से संचार के लिए एक मोबाइल फोन की आवश्यकता होती है।

अब आप अपने स्मार्टफोन से पैसे कमा सकते हैं। आज की दुनिया में, स्मार्टफोन जैसे ब्लॉगिंग का उपयोग करके पैसे कमाने के बहुत सारे तरीके हैं, बेचने के लिए तस्वीरें लेना, यूट्यूब के लिए वीडियो बनाना, अपने व्यवसाय को बढ़ावा देना। क्या आप लंबे समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं? क्या आप अपने सेल फोन के बिना एक सेकंड भी नहीं रह सकते? मोबाइल वरदान है या अभिशाप?क्या आप रोजाना अपने मोबाइल फोन पर 6-10 घंटे इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं? अगर हाँ, तो यह पोस्ट आपको मोबाइल फ़ोन इस्तेमाल करने के फायदे और नुकसान के बारे में पूरी जानकारी को समझने में मदद करेगी। तो, छात्र इस लेख से मोबाइल फोन के फायदे और नुकसान पर निबंध लिखने में मदद ले सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण समस्या है जो हम सभी ने देखा है कि व्यापार बैठकों के लिए हमारे काम के दौरान मोबाइल फोन हमेशा हमें परेशान करता है।

# स्वदेशी से स्वाधीनता और सामर्थ्य का आवाहन

**गिरीश्वर मिश्र**

'देश' एक विलक्षण शब्द है। एक ओर तो वह स्थान को बताता है तो दूसरी ओर दिशा का भी बोध कराता है और गंतव्य लक्ष्य की ओर भी संकेत करता है। देश धरती भी है जिसे वैदिक काल में मातृभूमि कहा गया और पृथ्वी सूक्त में 'माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः' की घोषणा की गई। यानी भूमि माता है और हम सब उसकी संतान। दोनों के बीच के स्वाभाविक रिश्ते में माता संतान का भरण-पोषण करती है और संतानों का दायित्व होता है उसकी रक्षा और देखभाल करते रहना ताकि भूमि की उर्वरा-शक्ति अक्षुण्ण बनी रहे।

इसी मातृभूमि के लिए बंकिम बाबू ने प्रसिद्ध वन्दे मातरम गीत रचा। इस देश-गान में शस्य-श्यामल, सुखद, और वरद भारत माता की वन्दना की गई है। इस तरह गुलामी के दौर में देश में सब के प्राण बसते थे और देश को विदेशी आधिपत्य से छुड़ाने के लिए मातृभूमि के वीर सपूत प्राण न्योछावर करने को तत्पर रहते थे। देश के प्रति यह उत्कट लगाव स्वदेश के प्रति निष्कपट प्यार में व्यक्त होता था। कविवर गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' के शब्दों में कहें तो 'वह हृदय नहीं है पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।' स्वदेश एक तरह के चौतन्य के भाव से जुड़ा हुआ था जिसके आगे सबकुछ छोटा हो जाता था। एकजुट होकर देशवासियों ने अन्याय के विरुद्ध अनोखी लड़ाई लड़ी और देश राजनैतिक रूप से आजाद हो गया और अंग्रेज शासक को भारत देश छोड़ना पड़ा। यह अलग पर जरूरी सवाल है कि अंग्रेज कैसा भारत छोड़ कर गए। उन्होंने न केवल भारत भूमि को खंडित किया बल्कि यहाँ के समाज, उसके मानस और आचार-व्यवहार को भी तरह-तरह से विभाजित और विषाक्त किया। फलतः देश की चेतना स्वदेशी की जगह परदेश की ओर अभिमुख होती गई। स्वतंत्रता मिलने के बाद स्वदेशी, स्वदेशाभिमान और देशप्रेम जैसे विचार दकियानूसी से लगने लगे और चलन से बाहर होते गए। मातृभूमि के साथ देश-सेवा का भाव आता था पर राष्ट्र राज्य बन जाने पर शासन करने और सत्तानशीं होकर प्रभुता पाने का भाव आने लगा। नेता और मंत्री अब अपने को सेवक कम राजा की भाँति अधिक महसूस करने लगे और उनके सहकर्मी, सहायक और निकट के लोग भी नेता की ऊष्मा से प्रज्वलित-परिचालित रहने लगे। अब (चुनाव के बाद) शासक अपनी प्रजा से दूर-दूर रहना ही श्रेयस्कर मानता है। नेता देश-सेवक की जगह शीघ्र ही राष्ट्र-निर्माता की भूमिका में आ जाता है। इस तरह की धन-वैभव से संपन्नता का कायाकल्प वाला विस्मयी कथानक शून्य से शिखर तक 'सुप्रीम' और 'हाईकमान' की ऊंचाई पर पहुंचने वालों में आसानी से लक्षित किया जा सकता है। कभी नेता देश के लिए हुआ करता था अब देश नेता के लिए है। अनेक प्रदेशों में सत्ता समीकरणों का खेल जिस तरह चल रहा है उससे साफ जाहिर है कि देश जो कभी लक्ष्य था अब निजी

> **देश धरती भी है जिसे वैदिक काल में मातृभूमि कहा गया और पृथ्वी सूक्त में 'माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः' की घोषणा की गई। यानी भूमि माता है और हम सब उसकी संतान। दोनों के बीच के स्वाभाविक रिश्ते में माता संतान का भरण-पोषण करती है और संतानों का दायित्व होता है उसकी रक्षा और देखभाल करते रहना ताकि भूमि की उर्वरा-शक्ति अक्षुण्ण बनी रहे। इसी मातृभूमि के लिए बंकिम बाबू ने प्रसिद्ध वन्दे मातरम गीत रचा। इस देश-गान में शस्य-श्यामल, सुखद, और वरद भारत माता की वन्दना की गई है।**

साधन होता जा रहा है और देश-सेवा के नाम पर हर तरह से आत्म-गौरव का विस्तार ही एकमात्र उद्देश्य होता जा रहा है। लोक-व्याप्ति की जगह राजनीति का व्यापारीकरण तेजी से हो रहा है और सरकार बनाने के लिए लोक-लुभावन नारे और वायदे किये जाने की परंपरा चल पड़ी है। राजनैतिक दलों द्वारा मतदाताओं के आगे चारा फेंकने के विविध उपाय चुनावी तैयारी की रणनीति का मुख्य भाग हुआ करता है जो प्रायः जीतने के साथ ही विस्मृत हो जाते हैं। इन सब राजनीतिक व्यायामों के बीच स्वदेश का वह मूल सरोकार खोता जा रहा है जिसके साथ स्वदेशी शासन की कामना अंग्रेजों के आधीन भारत में देश सेवकों द्वारा की गई थी। भारत की आजादी का अमृत महोत्सव हर भारतीय के लिए जहां गर्व का क्षण है वहीं आत्म-निरीक्षण का अवसर भी प्रस्तुत करता है। पराधीनता की देहरी लांघ कर स्वाधीनता के परिसर में आना निश्चय ही गौरव की बात है। लगभग दो सदियों लम्बे अंग्रेजों के औपनिवेशिक परिवेश ने भारत की जीवन पद्धति को शिक्षा, कानून और शासन व्यवस्था के माध्यम से इस प्रकार आक्रांत किया था कि देश का आत्मबोध निरंतर क्षीण होता गया। इसके फलस्वरूप हम एक पराई दृष्टि से स्वयं को और दुनिया को भी देखने के अभ्यस्त होते गए। उधार ली गई विचार की कोटियों के सहारे बनी यथार्थ की समझ और उसके मूल्यांकन की कसौटियाँ ज्ञान-विज्ञान में नवाचार और आचरण की उपयुक्तता के मार्ग में आड़े आती रहीं और राजनैतिक दृष्टि से एक स्वतंत्र देश होने पर भी देश को मानसिक बेड़ियों से मुक्ति न मिल सकी। मानसिक अनुबंधन के फलस्वरूप पाश्चात्य को (जो स्वयं में मूलतः एक प्रकार का स्थानीय या देसी ही था) सार्वभौम मान बैठने की भूल हुई परंतु उसके कुचक्र में भारतीय दृष्टि और उसकी विशाल ज्ञान-परम्परा का प्रायः तिरस्कार ही होता रहा और वह ओझल होती गई। दूसरी ओर सृष्टि की चेतना और संवेदना की व्यापक परंपरा के साथ व्यष्टि और समष्टि चिंता रखने की जगह घोर स्वार्थ केंद्रित भौतिकवाद और उपयोगितावाद को अंतिम सत्य स्वीकारने वाली पश्चिमी दृष्टि हम पर हावी होती गई। यद्यपि इस मार्ग की सीमाओं को महात्मा गाँधी जैसे समाज-चिंतकों ने बताया था विशेषतः 'हिंद स्वराज' तो बीसवीं सदी के शुरू में ही इस तरह के जोखिम भरे भविष्य की झलक दिखला चुका था।

जीवन भर बापू अपने रचनात्मक कार्यक्रमों और आश्रमों द्वारा आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक और नैतिक जीवन के विकल्प का मार्ग प्रयोग रूप में भी दिखा रहे थे। इस दृष्टि से वे 'स्वदेशी' को स्वाभाविक और समाज तथा भौतिक परिवेश के अनुकूल पाते थे। वे यह भी मान रहे थे कि स्वदेशी को अपनाने से देश के संसाधनों का देश को समृद्ध बनाने के लिए उपयोग हो सकेगा। पर स्वतंत्र देश के नेतृत्व ने इन सब विचारों और कार्यों को दिवा-स्वप्न, अव्यावहारिक और अनुपयोगी मान कर सिरे से खारिज कर दिया। नए भारत के लिए नीति-निर्माण और योजना की चर्चा के दौरान महात्मा गाँधी वास्तविक अर्थ में अप्रासंगिक हो गए और उनके सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षिक और आर्थिक विचार सिर्फ ऐतिहासिक रुचि के रह गए।

# मां वैष्णो देवी यात्रा संस्मरण : इच्छाशक्ति मजबूत हो तो मंजिल पाना कठिन नहीं

**गौरव पांडेय**

ऑफिस में बॉस और अन्य सहकर्मियों के साथ माता वैष्णो देवी के दर्शन जाने का कार्यक्रम बना। यह तय हुआ कि हम इनोवा से जाएंगे और सारे कैलकुलेशन के बाद एक सीट इनोवा में बच गई थी। मैंने आव देखा ना ताव और अपने भाई को बरेली से दिल्ली बुला लिया कि हम दर्शन के लिए चल रहे हैं। वह भी खुशी खुशी जल्दी से दिल्ली आ गया। अब दर्शन करने जाने का दिन आ गया और हमारे पास फोन आया कि गाड़ी आ गई है, तुम लोग तैयार रहो।

हमने अपना सारा सामान पैक करके बस ताला लगाने की कसर छोड़ी थी और उसी समय एक फोन आया, जिसमें बॉस ने बताया कि इनोवा कुछ दूसरी तरह की आ गई है जिसमें पीछे की सीट पर चार की जगह तीन ही लोग बैठ सकते हैं। ऐसे में स्वाभाविक था कि मेरा भाई ही नहीं जाएगा। मायूस चेहरे से मेरे भाई ने मेरी तरफ देखा और पूछा भैया अब क्या होगा? मैंने कहा कुछ नहीं होगा, ताला लगाओ और हम चल रहे हैं। बॉस को मैंने फोन किया कि आप लोग निकलिए, क्योंकि मैं अपने भाई को नहीं छोड़ सकता। मैंने उसे दूर से बुलाया है। फिर हमने टैक्सी की और हम सीधे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंच गए और वहां जाकर हमने पता लगाया कि कौन सी ट्रेन जम्मू की तरफ जा रही है। टिकट लेने के लिए लंबी-लंबी लाइनें थी, ऐसे में प्लेटफार्म टिकट लेकर के हम प्लेटफार्म पर चले गए और ट्रेन के सामने ही टीटीई बाबू का इंतजार करने लगे कि टीटीई बाबू से बात करके हम कुछ व्यवस्था कर लेंगे। ट्रेन चलने का समय नजदीक आ गया और टीटीई बाबू कहीं दिखाई नहीं दे रहे थे। ऐसे में मैंने डब्बे के आगे चिपकाए जा रहे रिजर्वेशन चार्ट को देखना शुरू किया और एक डिब्बे में 2 सीटें एक चार्ट में खाली दिखाई दी। मैंने भाई को कहा कि तुम इस डिब्बे की खाली सीट पर बैठो और मैं टीटीई बाबू को ढूंढता हूं, ट्रेन का सिग्नल ग्रीन हो गया लेकिन टीटीई बाबू नहीं आये। हम खाली सीटों पर जाकर बैठ गए।

चेकिंग स्क्वायड रिजर्व डिब्बों में साधारण टिकट वालों की कड़ाई से चेकिंग कर रहा थ। चूंकि हम खाली सीटों पर बैठे थे इसलिए उन्हें शक नहीं हुआ और हम से कुछ नहीं पूछा। अब हम उत्सुकता बस टीटीई बाबू को खोज रहे थे। करीब 15-20 मिनट बाद टीटीई बाबू आये और हमने उन्हें अपनी सारी व्यथा सुनाई। टीटीई बाबू ने द्रवित होकर हमें भी माता के दर्शन के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि मोदीनगर में ट्रेन रुकेगी और वहां उतरते ही सामने ही टिकट विंडो आएगी, वहां से तुरंत ही टिकट ले लेना। और देखिये हुआ भी ऐसा ही, हमारे डब्बे के सामने ही टिकट विंडो आई और मैंने झट जाकर जम्मू की टिकट ली। अब दूसरी टेंशन शुरू

हो गई कि यह बर्थ हमें अलौट हो जाए, हमने टीटीई बाबू से निवेदन किया लेकिन उन्होंने कहा कि कोई बात नहीं बच्चे, आप बैठो। आप दर्शन करने जा रहे हो, अगर इस बर्थ का कोई आएगा तो मैं देख लूंगा। अन्यथा मैं अभी सबकी चेकिंग करने के बाद आपका टिकट बना लूंगा। हम निश्चिंत होकर सो गए और पता ही नहीं चला कि जगाधरी कब आ गया। जगाधरी से दूसरे टीटीई बाबू की ड्यूटी थी और उन्होंने भी हमें सोता देखकर हमें कुछ नहीं कहा और हम सीधे जम्मू पहुंच गए। हमारे पिताजी के सहपाठी जम्मू में सिंचाई विभाग में अधिशासी अभियंता थे, उन्हें पिताजी ने फोन कर बता दिया कि बच्चे आ रहे हैं, दर्शन के लिए। उन्होंने सहर्ष हमें जम्मू में अपने घर बुलाया। चाची जी ने हमें स्वादिष्ट नाश्ता और भोजन कराया, साथ ही हमारी दर्शनों की वीआईपी व्यवस्था की। हम जम्मू से कटरा निकले और कटरा से हमने माता वैष्णो देवी की चढ़ाई शुरू की और हम शाम 6~00 बजे माता के दरबार में वीआईपी गेट से होते हुए दर्शन के लिए पहुंच गए। तभी अचानक हम क्या देखते हैं कि हमारे बॉस अपनी माता जी को पालकी में लेकर वैष्णो माता मंदिर के प्रांगण में पहुंचे हैं। हमें वहां देख वह हतप्रभ हो गए और हक्का बक्का हो करके बोले कि तुम लोग यहां कैसे? हमने बिना देर लगाए कहा कि जब माता बुलाए तो बेटा दौड़ा चला आए, यह तो माता का आशीर्वाद था कि हम यहां पहुंच गए। उन्होंने हमारी हिम्मत की दाद दी और प्रशंसा के साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे मन में बहुत अफसोस था कि तुम लोग नहीं आ पाए, लेकिन अब मैं बहुत ही खुश हूं कि तुम लोग आ गए और अब मैं माता के दर्शन भी अच्छे से कर पाऊंगा, अन्यथा मेरे मन में कष्ट था। दर्शन करने के बाद हम सुबह कटरा पहुंचे। अब दिल्ली वापस जाने की जद्दोजहद बाकी थी, क्योंकि हमारे पास ट्रेन की रिजर्व टिकट नहीं थी। इसलिए मैं रिजर्वेशन सेंटर की विंडो की लाइन में लग गया। तभी किसी भले मानस ने मुझसे पूछा कि आप क्यों लाइन में लगे हो, कहां की टिकट लेनी है। तो मैंने उन्हें बताया कि मुझे आज की ही दिल्ली की टिकट लेनी है। तो उसने कहा कि आज की टिकट तो अब आपको करंट काउंटर पर ही मिलेगी या आप टीटीई रूम में संपर्क करो। यदि कोई सीट खाली होगी तो आपको वह अलौट कर देगा। मुझे लगा कि यह क्या नई विपदा आ पड़ी, मैं जैसे तैसे पता करते हुए करंट रिजर्वेशन हेतु टीटीई रूम में पहुंचा और वहां मुझे जानकर आश्चर्य हुआ कि शाम की ट्रेन में ही फॉरेन कोटा की सीट खाली थी, जो मुझे टीटीई साहब ने तुरंत दे दी और मेरा रिजर्वेशन हो गया। आराम से स्लीपर में लेट कर हम अगले दिन सुबह दिल्ली पहुंच गए। मैंने अगले दिन ही ऑफिस ज्वाइन कर लिया और वहां जाकर पता चला कि अभी बॉस और अन्य साथी वापस नहीं पहुंचे हैं।

अगले दिन पता चला कि उन लोगों को 2 से 3 दिन की छुट्टी चाहिए, क्योंकि लगातार गाड़ी में बैठने से और चढ़ाई चढ़ने से उनके पैरों में सूजन आ गई है और वह ऑफिस आने में असमर्थ हैं। उस समय से मेरे मन में ख्याल आ रहे थे कि देखो जो होता है वह अच्छे के लिए होता है। यदि हम भी इसी गाड़ी में गए होते तो हमारा भी यही हाल हुआ होता। किंतु हम उस दुविधा से भी बच गए और हमें दर्शन भी बहुत अच्छे से हुए। मेरे छोटे भाई ने इस यात्रा अनुभव से बहुत बड़ी सीख ली कि यदि हम मन में कुछ भी पक्के से ठान लें तो हम उसे करके दिखा सकते हैं। और जब हम अपनी मदद खुद करने के लिए आगे बढ़ते हैं तो हमारे सारे रास्ते खुल जाते हैं और प्रकृति एवं ईश्वरीय शक्तियां भी हमारा साथ देती हैं, जिससे हम अपनी मंजिल तक पहुंच पाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16/ सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

## एक नज़र

### बीजेपी के मंत्री जनक राम के ओएसडी के घर मिली बेशुमार दौलत, महिला मित्र भी करोड़ों की मालिक; बिहार के तीन शहरों में छापे

**पटना (एजेंसी)** बिहार सरकार के खनन मंत्री जनक राम के ओएसडी मृत्युंजय कुमार के ठिकानों पर विशेष निगरानी इकाई की छापेमारी में मिली बेशुमार संपत्ति ने अधिकारियों को हैरान कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार ओएसडी की एक परिचित महिला और एक अन्य शख्स के ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है। निगरानी की टीम ने बुधवार की अलसुबह पटना के साथ ही कटिहार और अररिया में भी छापेमारी शुरू की है।

अपुष्ट सूत्रों की मानें तो इस छापेमारी में करोड़ों रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ है। आपको बता दें कि कुछ ही दिनों पहले मंत्री जनक राम के एक पीए को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गोपालगंज जिले के इस शख्स पर संसद में गैरकानूनी ढंग से प्रवेश के लिए फर्जी पास बनाने का आरोप था। विशेष निगरानी इकाई की टीम खनन विभाग के ओएसडी मृत्युंजय कुमार के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इनके अलावा धनंजय कुमार और रत्ना चौधरी नामक महिला के आवास पर भी छापेमारी हो रही है।

विशेष निगरानी इकाई ने कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद यह कार्रवाई की है। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई बालू के अवैध धंधे से काली कमाई के खिलाफ है। बिहार में खनन विभाग के मंत्री भाजपा के जनक राम हैं। इस मामले में बर्खास्त सीडीपीओ रत्ना के घर छापेमारी में सोने के बिस्किट और करीब 30 लाख रुपये कैश बरामद होने की बात सामने आ रही है। इससे पहले भी विगत तीन से चार महीने में बालू के अवैध धंधे के कारण ही आइपीएस अफसरों सहित तमाम बड़े अफसरों के ठिकानों पर छापेमारी हो चुकी है। निगरानी की कार्रवाई की जद में एसपी रैंक के अफसर से लेकर, एसडीओ, एसडीपीओ और सिपाही तक आए हैं।

यह वर्ष बालू के अवैध खनन के लिहाज से काफी बुरा रहा। सरकार को अवैध खनन से काफी नुकसान हुआ। टेंडर लेने वाली कंपनी बीच में ही काम छोड़कर भाग गई। दूसरी तरफ, बालू माफिया से मिलकर कमाई करने वाले अफसरों पर कानूनी कार्रवाई करनी पड़ी।

### लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का संकट बरकरार, पटना हाईकोर्ट की सुनवाई करेगी किस्मत का फैसला

**पटना (एजेंसी)** राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का संकट खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। पार्टी और परिवार में अलग-थलग पड़े तेज प्रताप की विधायकी पर भी खतरा अब तक मंडरा रहा है। समस्तीपुर में हसनपुर से विधायक तेजप्रताप यादव के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर गुरुवार को पटना हाई कोर्ट ने सुनवाई की। विजय कुमार यादव की चुनाव याचिका पर न्यायाधीश बीरेंद्र कुमार की अदालत ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता की गवाही हुई।

अब इस मामले में अगली सुनवाई दो दिसंबर को होगी। तेजप्रताप यादव के अधिवक्ता जगन्नाथ सिंह ने बताया कि याचिकाकर्ता ने जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 का हवाला देते हुए तेजप्रताप यादव के निर्वाचन को अमान्य करार देने के लिए चुनाव याचिका दायर किया है। मामला वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि तेजप्रताप यादव द्वारा हलफनामा में संपत्ति की जानकारी छुपाई गई। याचिकाकर्ता ने जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123(2) के अनुसार इसे भ्रष्ट आचरण बताया है। तेज प्रताप यादव को उनके पिता की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में पूरी तरह साइड कर दिया गया है।

पार्टी के प्रदेश कार्यालय में उनके आने-जाने पर अघोषित बैन लग गया है। लालू परिवार का सदस्य होने के नाते पर उन पर कोई औपचारिक कार्रवाई तो नहीं हुई है, लेकिन पार्टी के कार्यालय, झंडा, बैनर और नाम का इस्तेमाल वे अब नहीं कर पा रहे हैं। छोटे भाई तेजस्वी यादव के साथ तकरार में परिवार के बाकी सदस्यों से भी उनको अब सपोर्ट नहीं मिल रहा है। उनकी एक मात्र उम्मीद पिता लालू यादव के बिहार आगमन से थी, लेकिन राजद सुप्रीमो के पटना आने के बाद तो तेज प्रताप की गतिविधियां और भी सिमट कर रह गई हैं।

### बेतिया के हजारी में होती है कूड़ा की डंपिंग, बदबू से आसपास के लोग परेशान

**बेतिया, पश्चिम चंपारण (एजेंसी)** शहर में औसतन प्रतिदिन 5 मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है। बेतिया-मोतिहारी पथ के पिपरा के समीप कूड़ा डंपिंग का स्थान निर्धारित होने के बाद भी नगर के हजारी पशु मेला ग्राउंड में ही कूड़ा डंपिंग किया जा रहा है। जिससे आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कूड़े की वजह से इस रास्ते से गुजरने से लोग भरसक बचते है। कूड़े और बदबू के कारण आसपास के रहने वाले लोग काफी परेशान हैं।

जब शहर के बीचो-बीच ही कूड़े की डंड्क्षपग हो रही हो तो ऐसी परिस्थिति में स्वच्छता रैंड्क्षकग में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद बेमानी है। यही सब कारण है कि स्वच्छता रैंड्क्षकग में बेतिया ऊपर जाने की बजाय नीचे खिसक गया है। सफाई के दावा के बाद भी शहर में जगह-जगह कूड़े कचरे के ढेर लगे हैं। नगर निगम के कर्मियों की माने तो दिन के अलावा रात को भी सफाई हो रही है। 102 नोटिफाई कलेक्शन सेंटरों से कचरे को डंड्क्षपग पॉइंट तक पहुंचाया जा रहा है। घर घर से डोर टू डोर कलेक्शन का काम भी नियमित चल रहा है। इसके अलावा घारी के अतिरिक्त सफाई संसाधनों का भी सफाई में उपयोग हो रहा है।

इन सबके बावजूद शहर में जगह-जगह कूड़े कचरे दिखते रहते हैं। नगर निगम में सफाई के लिए तीन जेसीबी, एक पोकलेन, एक बॉबकट, दो हाइड्रा सहित कई संसाधन है। घारी पर मौजूद बारह ट्रैक्टर से भी सार्वजनिक स्थलों की सफाई हो रही है। नगर निगम के सभी वार्डो में उपलब्ध टीपर और ट्रैक्टर से भी नियमित सफाई होती है। निगम के कर्मचारियों के अनुसार अस्थाई डंड्क्षपग पॉइंट हजारी, झिलिया से प्रतिदिन कचरे की डंड्क्षपग पिपरा में हो रही है। घरों से काफी मात्रा में कचरे निकलने के कारण सफाई वाहन कई फेरा लगा रहे हैं। स्वच्छता प्रहरी और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता रजनीश श्रीवास्तव ने बताया कि बेतिया शहर एक ऐतिहासिक शहर है।

इसकी सुंदरता और स्वच्छता बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी हैं। मैं अपने शहर की सुंदरता और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रण का निर्वहन करता हूं, साथ ही शहरवासियों से अपील करता हूं कि आइए साथ में मिलकर अपने बेतिया को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाएं।

### तालाब में डूबने से पांच साल के बच्ची की मौत

**मधवापुर, मधुबनी (एजेंसी)** मधुबनी जिले में साहरघाट थाना क्षेत्र के मिनती गांव में तालाब में डूबने से पांच वर्षीय बच्ची की मौत हो गई।घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। डूबने से मृत बच्ची की पहचान मिनती गांव निवासी अनील राम की पांच वर्षीय पुत्री मीरा कुमारी के रूप में बताई जा रही है। बताया जाता है कि बच्ची पास के दरवाजा पर खेल रही थी और घर के सभी सदस्य धान काटनी के लिए खेत गए हुए थे। जब घर वापस आए तो बच्ची को खोजने पर वह नहीं मिली। काफी खोजबीन करने के बाद बच्ची तालाब के किनारे मृत अवस्था में पड़ी मिली। आनन-फानन में परिवार वालों ने उसे बाहर निकाला, देखा तो तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

इसके बाद स्वजनों की चीख-पुकार मच गई। इधर, मृतक के स्वजनों ने बताया कि बच्ची दोपहर में गांव के ही तालाब के किनारे खेल रही थी। इसी क्रम में वह गांव के समीप तालाब के पास चली गई। खेलने के दौरान पैर फिसल जाने के कारण वह तालाब में गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई। घंटों बीत जाने के बाद वहां मौजूद एक बच्चे ने उसके घर पर आकर कहा कि मीरा कुमारी डूब गई है। उस समय स्वजन उसकी तलाश कर ही रहे थे। सूचना मिलने पर जब लोग तालाब के पास पहुंचे तो बच्ची मृत मिली। ग्रामीणों के सहयोग से उसके शव को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद स्वजनों ने घटना की सूचना साहरघाट थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस गांव पहुंची, लेकिन स्वजन शव का पोस्टमार्टम कराने को राजी नहीं हुए। इसके बाद पुलिस वापस लौट गई।

# बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने बोले- पार्टी कभी सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और संप्रभुता से नहीं करेगी समझौता

**गया (एजेंसी)**
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए देश के संस्कार, संस्कृति और सभ्यता जरूरी है। भाजपा की सरकार देश की सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और संप्रभुता से कभी ना समझौता की है, और ना ही आगे करेगी। लेकिन विरोधी पार्टी कांग्रेस को इन चीजों को विध्वंस करने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं।

उन्हें जहां भी मौका मिलता है, वहां देश की सभ्यता, संस्कृति और स्वाभिमान पर लगातार प्रहार करते आ रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण विरोधी ताकतें कभी अपने मंसूबे में सफल नहीं होंगे। उक्त बातें शुक्रवार को दया प्रकाश सरस्वती विद्या मंदिर में भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग के गया जिलास्तरीय कार्यशाला में राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का हीं देन है कि संविधान गौरव दिवस मना रहे हैं। इससे पहले जितनी भी सरकारें यहां थी उन्हें संविधान के बारे में कोई इ्क्षचता नहीं थी। वर्ष 2014 के बाद भारत का दर्शन बदला है। विदेशी नीति में अमूलचूल परिवर्तन हुआ है।

विदेश नीति सशक्त हो गई है कि पड़ोसी देश और शक्तिशाली देश अब मित्र बन गए हैं। 2014 में जो जनादेश भारतीय जनता पार्टी को मिली। वह जनादेश नहीं परिवर्तन का आदेश था। उस वक्त हीं प्रधानमंत्री ने एजेंडा तय कर रखी थी। जिसमें नई साझेदारी में पड़ोसी देशों की सहभागिता, ग्लोबल एजेंडा को सेव करना, विदेशी नीति को आगे बढ़ाना, सीमा की सुरक्षा देश की सभ्यता और संस्कृति को बचाना था। इस पर लगातार मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने काम करते हुए विदेश नीति की परिवर्तन इस बात का घोतक रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि भारत वंशी जो विश्व में 3:50 करोड़ लोग रह रहे हैं, उनसे सेतु बनाकर उनके सुख-दुख में शामिल होना यह बहुत बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। अब भारत को सम्मान और समझौता कि नीति के तहत देखा जाता है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश में नक्सलवाद का फन बढ़ा हुआ था। उस वक्त 220 जिले प्रभावित थे लेकिन प्रधानमंत्री के कुशल रणनीति के कारण अब मात्र 20 जिला हीं सिमट कर रह गया है। जिसे जल्द हीं समाप्त हो जाएगी।

उन्होंने नेपाल की चर्चा करते हुए कहा कि नेपाल से भारत का सांस्कृतिक जुड़ाव रहा है। जनक पुत्री माता सीता, भोले शंकर और भगवान बुद्ध से जुड़ा है। दोनों देशों की संस्कृति इन तीनों से जुड़ी है। भारत हर क्षेत्र में नेपाल को समय-समय पर मदद करते आया है। भारत के साथ नेपाल का बेटी और रोटी का संबंध है। लेकिन कुछ तुष्टिकरण करने वाले लोग इसे नहीं मानते हैं। भारत और नेपाल के बीच सीता सर्किट योजना चल रही है। इसका लाभ दोनों देशों को मिल रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि भारत बदलता हुआ देश है। आत्मनिर्भर के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय स्तर ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर इसकी पहचान बनी है।

कई बदलाव देखने को मिले हैं विशेषकर कोरोना काल में अपने मित्र देशों के साथ दुख में साथ दिया है। विश्व को मार्गदर्शन करने का काम भारत ने किया है। वैक्सीन के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बना है।यही वजह है कि टीकाकरण में भी पूरे विश्व में नंबर वन है इसलिए कुशल नेतृत्व के कारण यह सब सफल हो पाया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष धनराज शर्मा ने की। मौके पर क्षितिज मोहन सिंह, अजय कुमार, गोपाल यादव, धर्मेन्द्र कुमार यादव, भोला मिश्रा, राजेश कुमार आदि मौजूद थे। यह प्रशिक्षण 28 नवंबर तक चलेगी।

## देश के लिए अकेले बहुमत हासिल करेंगे, नेपाल के प्रधानमंत्री ने कही बड़ी बात

**पश्चिम चंपारण, त्रिवेणी (एजेंसी)**
नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने कहा कि पार्टी की नीति-रीति से नेपाल की जनता का सीधा सरोकार है।

इसलिए कार्यकर्ताओं को अपनी जवाबदेही समझते हुए बढ़चढ़ कर जन समस्याओं को दूर करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। चितवन में आयोजित नेकपा एमाले के महाधिवेशन में अध्यक्ष केपी ओली ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले कुछ दिनों में राष्ट्रीय चुनाव होना है, जिसमें पार्टी अकेले बहुमत हासिल करेगी। यह देश हित के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय चुनाव होना है। संघीय चुनाव भी आ रहा है।

सर्वमौन सत्ता की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा, संविधान की रक्षा के लिए एमाले को बहुमत प्राप्त करना ही होगा। उन्होंने लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, विकास, समृद्ध नेपाल तथा एकता के लिए अपने कार्यकर्ताओं को आगे आने की बात कही। इससे पूर्व चितवन में तीन दिवसीय एमाले के 10 वे

महाधिवेशन का शुभारंभ नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष के पी ओली व प्रधानमंत्री ने संयुक्त रूप से बटन दबाकर किया।

इस अवसर पर सबसे पहले संबोधन में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष कमल थापा ने कहा कि के पी ओली के साथ सरकार में जब काम करने का अवसर मिला तब देश में आंदोलन का आग जल रहा था। चीन के साथ व्यापार तथा परिवहन समझौता करने में सफल रहे। ओली सरकार के कदम से नेपाल विकास के पथ पर आगे बढ़ा। इस महाधिवेशन के द्वारा साहसिक निर्णय की अपेक्षा है।

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी एमाले के 10 वां राष्ट्रीय महाधिवेशन में शामिल होने के लिए शुक्रवार की सुबह भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. हर्षवर्धन तथा भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री, बिहार प्रभारी व बस्ती के सांसद हरीश द्विवेदी काठमांडू पहुंचे। काठमांडू पहुंच दोनों भाजपा नेताओं ने नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की तथा आगामी चुनाव के लिए शुभकामना दी। बलुवाटांड़ अवस्थित प्रधानमंत्री आवास पर यह मुलाकात हुई।

इस मौके पर नेपाली कांग्रेस के मंत्री डॉ. प्रकाश शरण महंत भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री सचिवालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री से सम सामयिक विषयों पर बातचीत की तथा दोनों देशों के संबंधों की प्रगाढ़ता पर चर्चा की।

### पीएम नरेन्द्र मोदी के बयान पर मुहर लगाते हुए नीतीश का लालू-तेजस्वी पर हमला, इशारों में बताया भविष्य

**पटना (एजेंसी)** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि पारिवारिक पार्टियों से आ रहे लोग अभी भले ही चल जाएं पर कुछ दिनों बाद उनका अस्तित्व में रह पाना संभव नहीं। राजधानी पटना स्थित ज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम से लौटने के क्रम में पत्रकारों से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री से जब यह पूछा गया कि प्रधानमंत्री यह कह रहे कि पारिवारिक पार्टियां देश के लिए सही नहीं है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बिल्कुल सही है। पारिवारिक पार्टी का कोई मतलब है क्या? आजकल कई दल इस पर चल गए हैं। अपने परिवार के लोगों को आगे कर रहे।

राजनीति में इसका कोई मतलब नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी-कभी लोगों की बात सुनते हैं तो आश्चर्य होता है। विधानसभा और विधान परिषद में यह सर्वसम्मति से तय हुआ था शराबबंदी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग इसे भूल जाते हैं क्या कि जब शराबबंदी लागू किया गया था कि तो उसका प्रस्ताव किसने दिया था। उत्पाद विभाग तब किसके पास था? उसी पार्टी का एक-दो आदमी आज कुछ और बोलता है। यह बात होती है कि शराबबंदी से पर्यटकों की संख्या कम होगी। आंकड़े हैं कि बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ गयी है। राजस्व के नुकसान की बात करने वाले को यह मालूम होना चाहिए कि केवल शराबबंदी लागू करने वाले वर्ष में ही 1200 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बाद में स्थिति ठीक हो गयी। अब लोग शराब से बच गए पैसे को फल, सब्जी और दूध पर खर्च कर रहे। पहले इतनी बिक्री होती थी क्या?

### घर का ताला तोड़ 10 लाख की चोरी, बच्चों का गुल्लक साथ फुर्र हो गए चोर

**नवादा (एजेंसी)** नगर थाना क्षेत्र के कन्हाई स्कूल के समीप चोरों ने बंद घर को खंगाल डाला। ताला तोड़कर नकदी, सोने-चांदी के जेवरात समेत दस लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर लिया। बदमाशों ने पैसों से भरा तीन गुल्लक भी उड़ा लिया। घर सहारा इंडिया के एजेंट उत्तम कुमार की है। पीड़ित उत्तम ने बताया कि उनका मकान किउल-गया रेलखंड के किनारे है। रेलखंड के दोहरीकरण का काम चल रहा है। मिट्टी की खुदाई के चलते मोहल्ले में घरों से निकलने वाले पानी का रास्ता बंद हो गया है। मकान नीचे होने के कारण अंदर पानी भर गया था।जिससे घर में रहना दूभर हो गया था। फलस्वरूप 28 अप्रैल से पूरे परिवार के साथ दूसरे स्थान पर किराए पर रहना पड़ रहा है। रोजमर्रा की जरुरत से जुड़े सामान साथ लेते गए थे। अन्य सामान इसी घर में बंद था।

उन्होंने बताया कि गुरुवार की सुबह दस बजे स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि घर का ताला टूटा हुआ है। जिसके बाद घर पहुंचे। मेन गेट सहित अंदर के कमरे का ताला टूटा हुआ था। कमरे में पूरा सामान तितर बितर था। गोदरेज भी टूटा हुआ था। तलाशी लेने पर तीन लाख रुपये नकद, सोने की दो चेन, अंगूठी, मंगटीका, पायल, एलसीडी, सिलाई मशीन समेत आदि गायब थे। चोरों ने बच्चों की तीन चुकड़ी भी गायब कर दी, जो पैसों से भरे हुए थे। तकरीबन दस लाख की संपत्ति की चोरी हुई है। उन्होंने बताया कि उनके भाई के कमरे का भी ताला तोड़ा गया है। उस कमरे में भी सामान बिखरा पड़ा है। वहां कितनी चोरी हुई, वह भाई के आने पर पता चलेगा। भाई आलोक कुमार उर्फ पंकज प्रयागराज में रेलवे में पदस्थापित हैं। उन्होंने नगर थाना की पुलिस पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि दो दिनों से थाना का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन पुलिस आवेदन लेने को तैयार नहीं है। चोरी गए सामान की रसीद मांगी जा रही है। अब सामान की रसीद कहां से लाकर दें। पीड़ित परिवार की मदद करने के बजाए उन्हें परेशान किया जा रहा है।

## सार्वजनिक जमीन पर कब्जा करने वाले जाएंगे जेल, कमिश्नर व डीएम को बिहार सरकार ने दिया आदेश

**पटना (एजेंसी)**
राज्य सरकार सार्वजनिक जमीन या अन्य संरचनाओं पर कब्जा जमा कर वर्षों से बैठे लोगों को जेल भेजने की तैयारी कर रही है।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों एवं जिलाधिकारियों को कहा है कि वे इस मामले को प्राथमिकता सूची में रखें। अतिक्रमण मुक्ति के लिए तुरंत अभियान चलाएं। इसका ब्योरा मुख्यालय को भेजें। कहा गया है कि अधिकारी बिहार लोकभूमि अतिक्रमण अधिनियम की धाराओं का इस्तेमाल करें।

इसी में अतिक्रमण मुक्ति के लिए जिलाधिकारी के आदेश की अवहेलना करने वालों को एक साल की सजा और 20 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रविधान है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह ने शुक्रवार को लिखे अपने पत्र

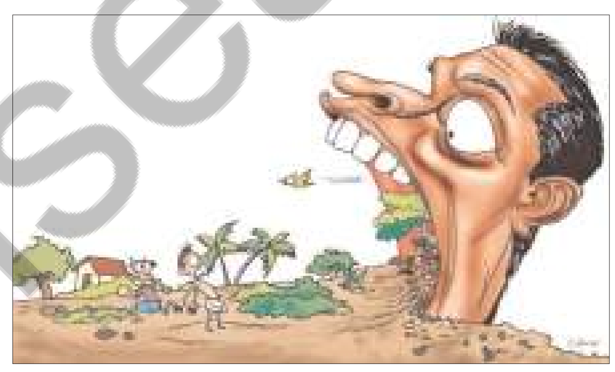

में कहा है कि 2015 में पटना हाई कोर्ट ने सार्वजनिक जमीन के अलावा जल निकायों को भी अतिक्रमण मुक्त करने का आदेश दिया था। यह आदेश रामपुनीत चौधरी बनाम राज्य सरकार मामले में दिया गया था।

इस संदर्भ में कुछ जिलों ने सराहनीय काम किया है। लेकिन, अधिसंख्य जिलों की उपलब्धियां संतोषप्रद नहीं हैं। पत्र में कहा गया है कि संबंधित अधिकारी लोक भूमि अतिक्रमण की धारा तीन के तहत अतिक्रमणवाद की शुरुआत करें। अतिक्रमणकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करें।

इस अधिनियम की धारा दो (1) में अंचलाधिकारी को समाहर्त्ता की शक्ति हासिल है। अंचलाधिकारी किसी अतिक्रमणकारी को जेल और जुर्माने की सजा दे सकते हैं। अंचल अधिकारी के अलावा भूमि सुधार उप समाहर्ता को भी अपने अधिकार क्षेत्र में यह अधिकार हासिल है। सरकार सख्त कार्रवाई करना चाहती है। मुश्किल यह है कि अंचलों में यह ब्यौरा भी नहीं है कि उसके क्षेत्र में किस विभाग की कितनी जमीन है। ताकि नापी के बाद पता लगाया जा सके कि किस विभाग की कितनी जमीन अतिक्रमित है।

अपर मुख्य सचिव ने अपने पत्र में कहा है कि जिला स्तरीय अधिकारी अपने विभाग की जमीन का विवरण अंचल कार्यालय में दर्ज कराएं। जिलाधिकारियों को कहा गया है कि वे अपने जिले के अतिक्रमित सार्वजनिक जल निकायों की सूची तैयार करें।

इसकी जानकारी अनुमंडल अधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं अंचल अधिकारियों को दें। अतिक्रमण मुक्त हुए जल निकायों की जानकारी हर महीने दें। यह प्रतिवेदन पोर्टल पर देना होगा।

### गोपालगंज में महिला की पीटकर हत्या, आपसी विवाद में लाठी डंडे से किया हमला

**गोपालगंज (एजेंसी)**
गोपालपुर थाना क्षेत्र के अहिरौली दुबौली गांव में शुक्रवार को आपसी विवाद को लेकर कुछ लोगों ने एक महिला की पीटकर हत्या कर दी। इस बीच महिला को बचाने पहुंचे तीन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया गया। घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बाद पुलिस घायलों का बयान दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। बताया जाता है कि अहिरौली दुबौली गांव निवासी विद्यावती देवी व उनके पड़ोस के लोगों के बीच शुक्रवार को आपसी विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान कुछ लोगों ने लाठी-डंडे से हमला कर विद्यावती देवी को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया।

इस दौरान महिला को बचाने आए परिवार के सदस्य दिनेश राय, मुक्ति नाथ राय व मंटू राय पर फरसा से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। घटना के बाद जख्मी लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने महिला विद्यावती देवी की हालत गंभीर देखकर गोरखपुर रेफर कर दिया। गोरखपुर जाने के दौरान महिला की रास्ते में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शाम्हो (बेगूसराय), संवाद सूत्र।

थाना क्षेत्र के पश्चिम लधौना गांव में भूमि विवाद में शुक्रवार को हुई मारपीट के दौरान तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दो को मामूली चोटें आई है। घटना में एक पक्ष के लधौना पश्चिम निवासी हरीश चंद्र झा के पुत्र राजाराम झा एवं रामचंद्र झा के पुत्र गणेश झा जबकि दूसरे पक्ष के इसी गांव निवासी रामकृपाल झा के पुत्र देवेंद्र झा उर्फ पतरकू झा के रूप में की गई। सभी घायलों का इलाज पीएचसी शाम्हो में डा. निशांत कुमार द्वारा किया गया। चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लखीसराय भेज दिया गया।

इस संबंध में पूछे जाने पर शाम्हो थाना प्रभारी अरड्क्षवद कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। आवेदन किसी पक्ष के द्वारा नहीं मिला है।

## बिहार में शराब के खिलाफ आज सबसे बड़ा अभियान, सीएम नीतीश ने दिलाई शपथ; आप भी देख सकते हैं लाइव एक्शन

**पटना (एजेंसी)**
बिहार को शराब सहित हर तरह के नशे से मुक्त करने के लिए सबसे बड़े अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है। नशा मुक्ति दिवस के मौके पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आजीवन शराब सहित किसी तरह के नशे का सेवन नहीं करने के लिए पूरे बिहार वासियों को संकल्प दिलाया।

उन्होंने इस खास मौके पर जागरुकता रथों को रवाना किया, जो आम लोगों के नशे की बुराई के बारे में बताएंगे। सीएम ने कहा कि दूसरों को भी शराब के सेवन के लिए प्रेरित नहीं करना है। शराब से जुड़ी गतिविधियों से अपने को अलग रखना है।

राज्य सरकार के सभी कर्मचारी व अफसरों को अपने-अपने सरकारी कार्यालयों में इसकी शपथ लेने की हिदायत दी गई है। सभी को इससे जुड़ा शपथ-पत्र भरकर उस पर हस्ताक्षर करना है, जिसकी प्रति डीएम के माध्यम से मुख्यालय तक आएगी। इस पूरे आयोजन का LIVE Video आप

IPRD Bihar के फेसबुक, ट्वटिर और यूट्यूब अकाउंट पर देख सकते हैं। इसके पूर्व 2018 में भी सरकारी कर्मियों व अफसरों ने शराब न पीने की शपथ ली थी। पटना में सुबह 11:30 बजे से ज्ञान भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अतिरिक्त उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद व रेणु देवी की विशेष उपस्थिति रहेगी। इस बार के शपथ कार्यक्रम की खासियत यह है कि शपथ लेने वालों को शपथ पत्र पर अपना हस्ताक्षर भी करना है। इस आयोजन का सीधा प्रसारण फेसबुक, यू-ट्यूब तथा ट्विटर पर होगा। नशा मुक्ति दिवस के आयोजन में यह चर्चा भी होगी कि गांधीजी ने किस तरह हमेशा शराब का विरोध किया। उन्होंने कहा था कि शराब आदमियों से न सिर्फ उसका पैसा छीन लेती है, बल्कि उनकी बुद्धि भी हर लेती है। शराब पीने वाला इंसान हैवान हो जाता है। यदि मुझे एक घंटे के लिए भारत का तानाशाह बना दिया जाए तो मैं सबसे पहले शराब की सभी दुकानों को बिना क्षतिपूर्ति के बंद कर दूंगा। शराब के दुष्प्रभावों पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट पर भी बात होगी। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट यह कहती है कि 2016 में शराब के कारण विश्व भर में 30 लाख लोगों की मृत्यु हुई है।

यह विश्व में कुल मृत्यु का 5.3 प्रतिशत है। शराब के सेवन के कारण युवाओं में मृत्यु दर बूढ़े लोगों की अपेक्षा काफी अधिक है। 20 से 39 आयु वर्ग के लोगों में 13.5 प्रतिशत मृत्यु शराब के कारण होती है। शराब के कारण टीबी, एचआइवी व मधुमेह से होने वाली मृत्यु अधिक है। शराब लगभग दो सौ बीमारियों को बढ़ाती है। आत्महत्या के कुल मामलों में 18 प्रतिशत, आपसी झगड़े में 18 प्रतिशत, सड़क दुर्घटनाओं में 27 प्रतिशत और मिर्गी में 13 प्रतिशत मामले शराब के सेवन के कारण ही होते हैं।

# एक नज़र

## इंडोनेशिया ओपन 2021: युजिन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची सिंधु

**नई दिल्ली (एजेंसी)** भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया की सिम युजिन को 14-21, 21-19, 21-14 से हराकर बाली में इंडोनेशिया ओपन 2021 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब सिंधु अंतिम चार में थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से सेमीफाइनल में भिड़ेंगी, जो दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी हैं।

इंतानोन ने क्वार्टर फाइनल में जापान की असुका ताकाहाशी को 21-17, 21-12 से शिकस्त दी थी। फ्रेंच ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स के बाद सिंधु का यह लगातार तीसरा सेमीफाइनल होगा। युजिन ने सिंधु को पहले गेम में 21-14 से हराया, इसके बाद सिंधु ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 14-7 की बढ़त हासिल कर ली और आखिरी में भारतीय शटलर ने इसे 21-19 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त खेल दिखाया। इस दौरान, सिंधु युजिन पर तीसरे गेम में पूरी तरह से हावी रही और इस गेम को भी 21-14 से अपने नाम कर लिया।

## रियो ओलिंपिक के प्रमुख नुजमैन को 30 साल कैद की सजा

**रियो डी जनेरियो (एजेंसी)** ब्राजील ओलंपिक समिति (सीओबी) के पूर्व अध्यक्ष कार्लोस आर्थर नुजमैन को कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 30 साल 11 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में जज मार्सेलो ब्रेटास ने कहा, 79 साल के पूर्व अध्यक्ष ने 2016 ओलंपिक की मेजबानी के लिए वोट खरीदने की गलत योजना बनाई थी।

उन्होंने कहा, कार्लोस नुजमैन के अपराध अत्यधिक निंदनीय हैं। वे सब कुछ जानते हुए भी लालच में आकर अपराधों को अंजाम देने के लिए अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। ब्राजील के कानून के तहत, नुजमैन अपनी सभी अपीलों के लंबित रहने तक मुक्त रहेंगे। इस मामले में रियो के पूर्व गवर्नर सर्जियो कैब्राल, उद्यमी आर्थर सोरेस और रियो 2016 के संचालन प्रमुख लियोनाडरे ग्रिनर को भी दोषी पाया गया।

जांचकर्ताओं के बताया कि नुजमैन, कैब्राल, सोरेस और ग्रिनर ने ओलंपिक होस्टिंग अधिकारों के लिए वोटों के बदले में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष लैमिन डियाक और उनके बेटे डियाक को रिश्वत दिया गया था।

## लीवरकुसेन ने यूईएफए यूरोपा लीग में अंतिम-16 में प्रवेश किया

**बर्लिन (एजेंसी)** रॉबर्ट एंड्रिच ने यूईएफए यूरोपा लीग में सेल्टिक ग्लासगो को 3-2 से हराकर बेयर लीवरकुसेन को अंतिम-16 के दौर में पहुंचने में मदद की। एंड्रिच ने फ्लोरियन विट्र्ज से 16वें मिनट में गोल दागा।

वहीं, सेल्टिक ने खेल में प्रदर्शन अच्छा किया लेकिन गोल नहीं कर सके। लीवरकुसेन ने फिर से बेहतर शुरुआत की, लेकिन शुरुआती चरणों में डायबी और अमीन अदली मौके का फायदा नहीं उठा सके।

सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सेल्टिक ने 56वें मिनट में गोल कर अपने दूसरे शॉट के साथ खेल को बदला। खेल के अंत तक लीवरकुसेन का दबदबा बना रहा, लेकिन खेल के अंत में डेविड टर्नबुल के खतरनाक प्रयास को विफल करने के लिए हेराडेकी को सतर्क रहना पड़ा। बेयर लीवरकुसेन 13 अंकों के साथ ग्रुप जी में शीर्ष पर है, उसके बाद बेटिस (10 अंक), सेल्टिक (6 अंक) और फेरेन्कवारोस (0 अंक) हैं।

## भारतीय महिला फुटबॉल टीम ब्राजील से हारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)** भारतीय महिला फुटबॉल टीम को ब्राजील ने चार देशों के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के पहले मैच में शुक्रवार को 6-1 से हरा दिया। विश्व कप 2007 की उपविजेता ब्राजील की डेबोरा ओलिवियरा ने पहले ही मिनट में गोल कर दिया, तभी भारत की मनीषा कल्याण ने आठवें मिनट में बराबरी करते हुए गोल कर दिया। इसके बाद टीम की खिलाड़ी जियोवाना कोस्टा ने 36वें मिनट में ब्राजील को फिर बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में ब्राजील की टीम ने चार और गोल किए। उसमें एरियाडिना बोर्गेस (52वां, 81वां मिनट), कैरोलिन फेराज (54वां) और गेसे फेरेइरा (76वां) ने गोल किये। पहले हाफ में भारतीय टीम ने ब्राजील को टक्कर दी थी। हालांकि वह दूसरे हाफ में इसे कायम नहीं रख सकी और विरोधी टीम की तरफ से उन्हें कई गोल मिले। टीम के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि वह सातवें रैंक की इस मजबूत टीम के खिलाफ गोल कर सकी जो मनीषा कल्याण ने किया था। ब्राजील की टीम ने महज 52 सेकेंड के अंदर ही पहला गोल किया था। विरोधी टीम ने भारतीय गोलकीपर अदिति चौहान को चकमा देकर गोल किया। हालांकि इसके कुछ समय बाद ही मनीषा कल्याण ने टीम को बराबरी पर ला दिया।

भारत की प्यारी ने काउंटर अटैक करते हुए गेंद कल्याण को दी जिन्होंने लेफ्ट फ्लैंक से शानदार रनिंग के साथ गोल किया। इसके बाद 45वें मिनट में ही ब्राजील ने दूसरा गोल करके लीड हासिल कर ली। पहले हाफ में ब्राजील 2-1 से आगे रहा। इस मैच के साथ ही ब्राजील की मिडफील्डर फोरमिगा ने 43 वर्ष की उम्र में फुटबॉल को अलविदा कह दिया। उन्होंने सात ओलंपिक और सात विश्व कप खेले हैं। अब भारत को 29 नवंबर को चिली और दो दिसंबर को वेनेजुएला से खेलना है।

## एशेज सीरीज से पहले पेन ने क्रिकेट से दूर जाने का लिया फैसला

**सिडनी (एजेंसी)** ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा देने के एक हफ्ते बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम पेन ने शुक्रवार को क्रिकेट से दूर रहने के फैसले को लेकर फिर से प्रशंसकों में हलचल मचा दी है। पेन के मैनेजर, जेम्स हेंडरसन ने शुक्रवार सुबह ट्वीट करते हुए कहा कि, अब पूर्व कप्तान पेन क्रिकेट से दूर जा रहे हैं।

हम उनकी और बोनी (उनकी पत्नी) की भलाई के लिए बेहद चिंतित हैं और इस समय हम इस मामले में आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। पेन ने इस बारे में कोई फैसला नहीं किया है कि वह खेल में कब वापसी करेंगे।

पेन के जाने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) चयन समिति को एक ऐसे विकेटकीपर की तलाश करना है जो गाबा टेस्ट के लिए दो सप्ताह से भी कम समय में विकेटकीपर की कमान संभाल सके। कुछ पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने एलेक्स कैरी और जोश को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में नामित किया है। चयनकर्ता अगले सप्ताह अभ्यास खेलों के दौरान उनकी फॉर्म पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि सितंबर में हुई गर्दन की सर्जरी के बाद पेन अच्छा खेल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। उनका नाम मार्श वन-डे कप खेलने के लिए भी नामित किया गया था, जहां उन्हें नंबर तीन पर विकेट और बल्लेबाजी करने के लिए तैयार किया गया था। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के अनुसार, 37 वर्षीय खिलाड़ी शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल होने के लिए क्वींसलैंड गए होंगे। वेबसाइट के अनुसार, लेकिन शुक्रवार सुबह एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है, क्रिकेट तस्मानिया ने पुष्टि की कि पेन अब खेल से दूर हो जाएगा।

क्रिकेट तस्मानिया के बयान में कहा गया है, पिछले 24 घंटों से चर्चा में रहने के बाद, टिम पेन ने कहा कि वह भविष्य में क्रिकेट के सभी खेलों से छुट्टी ले लेंगे। पूर्व टेस्ट कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा, हां, पेन ने अपने लिए, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के लिए एक बहुत बड़ा फैसला लिया है। बता दें कि 2017 में महिला कर्मचारी को अश्लील मैसेज भेजने को लेकर हुए विवाद में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पेन चर्चा में बने हुए हैं, विवाद को लेकर पेन ने कप्तानी पद से कुछ दिन पहले इस्तीफा भी दे दिया था।

# भारत के 345 रन के जवाब में न्यूजीलैंड की मजबूत शुरूआत

**कानपुर (एजेंसी)**
तेज गेंदबाज टिम साउदी के पांच विकेट की मदद से भारत को 345 रन पर आउट करने के बाद अपने सलामी बल्लेबाजों विल यंग और टॉम लाथम की संयमित पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन ठोस शुरूआत करते हुए चाय तक बिना किसी नुकसान के 72 रन बना लिये।

इससे पहले श्रेयस अय्यर अपने पदार्पण टेस्ट में शतक जमाने वाले 16वें भारतीय बल्लेबाज बन गए लेकिन रविचंद्रन अश्विन को छोड़कर निचले क्रम के बल्लेबाज न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सके। अश्विन ने 56 गेंद में 38 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिये यंग 86 गेंद में 46 रन बना लिये हैं जबकि लाथम 72 गेंद में 23 रन बनाकर खेल रहे हैं। कीवी बल्लेबाजों ने पगबाधा के दो फैसलों के खिलाफ डीआरएस अपील की और कामयाब रहे। दोनों ने 26 ओवर खेले और नौ चौके जमाकर रनगति भी बनाये रखी। पिच से तेज गेंदबाजों को सुबह अधिक उछाल मिली जिसकी बदौलत साउदी ने चार विकेट चटकाये। वहीं अश्विन और जडेजा जैसे स्पिनरों को टर्न नहीं मिली। इससे पहले कल के स्कोर 75 रन से आगे खेलते हुए अय्यर ने 171 गेंद में 105 रन बनाये। वह अपने पहले टेस्ट में शतक जमाने वाले भारत के 16वें क्रिकेटर बन गए। इस सूची में लाला अमरनाथ, गुंडप्पा विश्वनाथ, सौरव गांगुली, रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के नाम हैं। सुबह के सत्र में 81 रन बने लेकिन चार विकेट भी गिरे। यह सत्र साउदी के नाम रहा जिन्होंने 27.4 ओवर में 69 रन देकर पांच विकेट लिये। अपना 80वां टेस्ट खेल रहे साउदी 13वीं बार यह कमाल कर चुके हैं।

उन्होंने सबसे पहले दूसरी नयी गेंद से रविंद्र जडेजा को आउट किया जो कल के स्कोर 50 रन पर ही लौट गए। रिधिमान साहा 12 गेंद में एक रन बनाकर आउट हुए। दूसरी ओर अय्यर ने काइल जैमीसन को थर्डमैन पर शॉट खेलकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और दो छक्के लगाये।

उनके शतक से कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे पर दबाव बनेगा क्योंकि अगले टेस्ट से नियमित कप्तान विराट कोहली वापसी करेंगे। साउदी ने कवर में विल यंग के हाथों लपकवाकर अय्यर की पारी का अंत किया। अश्विन ने अपनी पारी में पांच चौके लगाये जिसमें साउदी को कवर में जड़ा दर्शनीय चौका शामिल है।

## मनीषा ने ब्राजील के खिलाफ दागा 'स्वप्निल गोल'

**नई दिल्ली (एजेंसी)**
भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण ने मानौस में चार देशों के टूर्नामेंट में ब्राजील के खिलाफ मैच में किये गये गोल को 'सोने पे सुहागा' करार दिया। भारतीय महिला टीम के लिये एकमात्र गोल मनीषा ने किया। भारत ने पहले हाफ के अंत तक मजबूत ब्राजील टीम को ज्यादा गोल नहीं करने दिये थे, हालांकि बाद में उसे 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। विंगर मनीषा ने आठवें मिनट में बायें पैर से भारत के लिये बराबरी गोल किया, जिससे पहले देबोरा ओलिविएरा ने 2007 विश्व कप उप विजेता टीम को मैच के पहले ही मिनट में बढ़त दिला दी थी।

मनीषा ने कहा, ''ब्राजील के खिलाफ खेलना मेरे लिये सपने का सच होना था और उनके खिलाफ गोल करना 'सोने पे सुहागा' था। '' मैच के बाद मनीषा ब्राजील की मिडफील्डर फोर्मिगा मोटा के साथ फोटो खिंचाती दिखीं। उन्होंने कहा, ''उनके (फोर्मिगा) के साथ एक ही पिच पर होना, बहुत बड़ी उपलब्धि थी। मुझे उम्मीद है कि हम इस अनुभव से सीख ले सकें और अगले मैच में बेहतर कर सकें।

# एशियन चौंपियंस ट्रॉफी में हॉकी टीम की अगुवाई करेंगे मनप्रीत, श्रीजेश टीम से बाहर

**भुवनेश्वर (एजेंसी)**
भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह 14 से 22 दिसंबर तक ढाका में होने वाली एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी में 20 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को टीम में शामिल नहीं किया गया है। चौंपियनशिप में भारत अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन दक्षिण कोरिया के खिलाफ करेगा। सिंगल-पूल टूर्नामेंट में जापान, मलेशिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश टीमें भी भाग लेंगी।

हरमनप्रीत सिंह को उप कप्तान बनाया गया है। फॉरवर्ड लाइन का नेतृत्व ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, गुरसाहिब जीत सिंह और शिलानंद लकड़ा करेंगे। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने टीम की घोषणा के बाद कहा कि खिलाड़ियों का चयन भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है, क्योंकि भारत 2022 में खेलों में व्यस्त रहेगा, जहां वे चीन के हांग्जो में एशियाई खेलों में न केवल खेलेंगे बल्कि राष्ट्रमंडल खेलों में भी भाग लेंगे। रीड ने कहा, इस टीम का चयन करते समय अब हमारी नजर भविष्य पर होनी चाहिए। निरंतर सफलता के लिए एक मजबूत टीम की जरूरत होती है, इसलिए खिलाड़ियों को प्रदर्शन करने के अवसर दिए जाने चाहिए। हमने एक ऐसी टीम चुनी है जिसके पास अनुभवी और युवा खिलाड़ी है, जिनके पास यह दिखाने का मौका होगा कि वे क्या कर सकते हैं। मैच में सीओवीआईडी स्थिति को देखते हुए, एफआईएच (अंतर्राष्ट्रीय हॉकी संघ) और एएचएफ (एशियाई हॉकी संघ) ने प्रत्येक खेल में 18 खिलाड़ियों को चुनने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा, एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी एक विश्व स्तरीय प्रतियोगिता है जो सभी टीमों को अगले ओलंपिक खेलों को शुरू करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगी। हम चुनौती की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत अपना दूसरा मैच 15 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। उनका तीसरा मैच 17 दिसंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा और 18 दिसंबर को भारत मलेशिया से और उसके बाद 19 दिसंबर को जापान के खिलाफ मैच खेलेगा। 21 दिसंबर को सेमीफाइनल खेला जाएगा और 22 दिसंबर को फाइनल। मस्कट, ओमान में आयोजित कार्यक्रम के पिछले संस्करण में, भारत ने पाकिस्तान के साथ संयुक्त रूप से खिताब जीता था क्योंकि लगातार बारिश के कारण फाइनल को रद्द कर दिया गया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपरः कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा।

डिफेंडर्सः हरमनप्रीत सिंह, गुरिंदर सिंह, जरमनप्रीत सिंह, दीपसन टिर्की, वरुण कुमार, नीलम संजीव जेस, मंदीप मोर। मिडफील्डरः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह (कप्तान), जसकरण सिंह, सुमित, राजकुमार पाल, आकाशदीप सिंह, शमशेर सिंह। फॉरवर्डः ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, गुरसाहिबजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा।

## टेस्ट क्रिकेट में श्रेयस अय्यर की असली परीक्षा इस जगह होगी, पास हुए तभी बन पाएंगे पक्के बल्लेबाज

**नई दिल्ली (एजेंसी)** श्रेयस अय्यर ने भारत के लिए अपने डेब्यू टेस्ट मैच में ही शतक लगाया और भारत की तरफ से अपने पदार्पण टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले 16वें खिलाड़ी बने। श्रेयस अय्यर की इस पारी की सबने जमकर तारीफ की। कपिल देव ने यहां तक कहा कि डेब्यू टेस्ट में अगर भारतीय बल्लेबाज शतक लगा रहे हैं तो इसका मतलब ये है कि क्रिकेट सही दिशा में जा रहा है। इन सारी बातों के बीच टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा कि श्रेयस अय्यर की असली परीक्षा साउथ अफ्रीका में होगी क्योंकि वहां पर उन्हें शार्ट पिच गेंदों का सामना करना होगा।

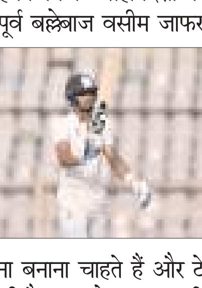

वसीम जाफर ने ईएसपीएन क्रिकइंफो पर बात करते हुए कहा कि श्रेयस अय्यर के लिए एकमात्र चुनौती वो गेंद होगी जो बाउंस होकर आएगी। कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि वनडे में भी गेंदबाज उन्हें वहीं पर निशाना बनाना चाहते हैं और टेस्ट क्रिकेट में तो उन पर छोटी गेंदों की बौछार होने वाली है। जब वो साउथ अफ्रीका दौरे पर जाएंगे तब मुझे पूरा यकीन है कि उस टीम के गेंदबाज उनकी पूरी तरह से परीक्षा लेंगे। श्रेयस अय्यर की असली परीक्षा वहीं होगी क्योंकि वहां पर 140-145 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंद आएगी और उनके लिए इस तरह की गेंदों का सामना करना कठिन होगा। वसीम जाफर ने कहा कि श्रेयस को इस बात को समझने की जरूरत है कि किसी ना किसी जगह या फिर हर स्तर पर हर बार वो हर तरह की गेंदबाजी का सामना नहीं कर सकते हैं। वो शानदार प्लेयर हैं, लेकिन इस कमी को उन्हें ठीक करने की कोशिश करनी चाहिए।

## मेरी कप्तानी की शैली थोड़ी अलग दिखेगी, उप कप्तान स्टीव स्मिथ से सलाह लूंगाः कमिंस

**मेलबर्न (एजेंसी)** आस्ट्रेलिया के नव नियुक्त कप्तान पैट कमिंस ने शुक्रवार को संकेत दिया कि टीम की अगुआई की उनकी शैली अपने पूर्ववर्ती कप्तानों से अलग हो सकती है और साथ ही उन्होंने कहा कि वह रणनीतिक सलाह के लिये उप कप्तान स्टीव स्मिथ पर निर्भर होंगे। कमिंस शुक्रवार को आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की पूर्णकालिक आधार पर अगुवाई करने वाले पहले तेज गेंदबाज होंगे। उनके साथ स्मिथ को उप कप्तान बनाया गया है। कमिन्स टिम पेन की जगह लेंगे जिन्होंने एक महिला सहकर्मी को अश्लील संदेश भेजने का चार साल पुराना मामला प्रकाश में आने के बाद पिछले सप्ताह कप्तानी छोड़ दी थी। कमिंस ने पत्रकारों से कहा, ''यह (कप्तानी करने का तरीका) बाहर से कुछ अलग सा लग सकता है, संभवतः बीते समय के अन्य कप्तानों को। गेंदबाजी कप्तान के बारे में काफी चीजें पता नहीं हैं इसलिये मैं शुरू से ही दृढ़निश्चयी था कि अगर मैं कप्तान हूं तो स्टीव जैसा कोई उप कप्तान मेरे पास हो। '' उन्होंने कहा, ''मैदान पर ऐसा भी समय होगा जब मैं जिम्मेदारी स्टीव को सौंप दूंगा और आप स्टीव को मैदान में क्षेत्ररक्षण सजाते देखोगे, और शायद गेंदबाजी में बदलाव करते हुए भी जो उप कप्तानी से थोड़ा ज्यादा ही होगा। मैं वास्तव में ऐसा ही कुछ चाहता हूं। '' उन्होंने कहा, ''ऐसा भी समय होगा जब मैं क्रीज से बाहर रहूंगा, गर्म दिन में गेंदबाजी के स्पैल के बीच में मुझे रणनीति और अनुभव के लिये लोगों से सलाह की जरूरत होगी इसलिये यह बड़े कारण में से एक है कि मैं स्टीव को उप कप्तान के रूप में चाहता था। ''

# गुरबाज की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने दिल्ली बुल्स को आठ विकेट से दिलाई जीत

**अबू धाबी (एजेंसी)**
दिल्ली बुल्स ने अबू धाबी टी10 में नॉर्दर्न वॉरियर्स को आठ विकेट से हराकर जीत दर्ज की है। जमैका के रोवमैन पॉवेल ने गुरुवार के खेल में एक और अर्धशतक जड़कर नॉर्दर्न वॉरियर्स को 128 रनों का स्कोर बनाने में मदद की, लेकिन बुल्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने मैदान पर आते ही गेंदबाजों पर हमला करना शुरू कर दिया था।

इंग्लैंड के क्रिकेटर ल्यूक राइट ने ओपनिंग की और अच्छी शुरूआत की, लेकिन यह 19 वर्षीय गुरबाज था जिसने वॉरियर्स की गेंदबाजी के खिलाफ अपने सभी हिट का प्रदर्शन करके सुर्खियों में छा गया। सातवें ओवर में ओशेन थॉमस का सामना करते हुए, गुरबाज ने सिर्फ 24 गेंदों पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने एक और शानदार छक्के के साथ ओवर का अंत किया, जिससे बुल्स को अंतिम तीन ओवर में केवल 21 रन मिले। हालांकि गुरबाज और शेफर्ड जल्दी आउट हो गए, राइट ने दिल्ली बुल्स को सुरक्षित बचाते हुए गेंदबाज की अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर मैच को खत्म किया। इससे पहले दिल्ली बुल्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। गुरुवार शाम को खेले गए मैच में मोईन अली और केनर लुईस ने शेख जायद स्टेडियम को शतकीय साझेदारी से रोशन कर दिया था। तभी बुल्स के गेंदबाज शेराज अहमद ने अपने ओवर में दोनों की साझेदारी को तोड़कर केनर लुईस को चलता किया। अली की कंपनी में समित पटेल ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन चौथे ओवर में वो आदिल राशिद की गेंद का शिकार हो गए। अगले ओवर की पहली गेंद पर अली का आउटफील्ड में इयोन मोर्गन ने शानदार कैच लपका।

इस टूर्नामेंट में पंद्रहवीं बार, वॉरियर्स के कप्तान पॉवेल अपनी टीम के साथ बैरल को घूरते हुए क्रीज पर पहुंचे। हालांकि उन्होंने आगे बढ़ने में देर नहीं लगाई और रोमारियो शेफर्ड के ओवर से 17 रन निकाले। फारूकी ने व्हाइटली को आउट करके 66 रनों की मनोरंजक साझेदारी को समाप्त कर दिया, इससे पहले पॉवेल 56 रन पर आउट हो गए।

उमैर अली ने क्रीज पर अपने संक्षिप्त प्रवास के दौरान वॉरियर्स को 128 पर ले जाने के लिए कुछ बड़े हिट लगाए। संक्षिप्त स्कोरः नॉर्दर्न वॉरियर्स 128/6 (रोवमैन पॉवेल 56, रॉस व्हाइटली 26ः शिराज अहमद 2/22), दिल्ली बुल्स से 133/2 (रहमानुल्ला गुरबाज 70, ल्यूक राइट 40 नाबादः उमैर अली 1/19) आठ विकेट से हार गए।

## जजई के नाबाद 59 रन, बांग्ला टाइगर्स ने डेक्कन ग्लैडिएटर्स को हराया

अबुधाबी, 26 नवंबर (वेब वार्ता)। हजरतुल्लह जजई के महज 26 गेंद में नाबाद 59 रन की मदद से बांग्ला टाइगर्स ने यहां अबुधाबी टी10 मैच में डेक्कन ग्लैडिएटर्स पर नौ विकेट की शानदार जीत दर्ज की। जॉनसन चार्ल्स की शीर्ष क्रम में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के बाद विल जैक्स और जजई के शानदार प्रदर्शन से बांग्ला टाइगर्स ने 8.1 ओवर में 117 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया।

इस तीसरी जीत से बांग्ला टाइगर्स की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है जिसमें वह डेक्कन ग्लैडिएटर्स और दिल्ली बुल्स के बीच मौजूद है। इन दोनों टीमों ने भी तीन जीत दर्ज की हैं। चार्ल्स( 22 रन, दो चौके, दो छक्के ) और जजई (तीन चौके, पांच छक्के) ने पिछले मैच की तरह इस मैच में आक्रामक शुरूआत करायी। दूसरे ओवर में चार्ल्स ओडियन स्मिथ का शिकार बने, जब टीम का स्कोर 34 रन था। पर जैक्स (नाबाद 28 रन) ने भी आते ही वही आक्रामकता जारी रखी। जजई और जैक्स ने 50 रन की भागीदारी निभायी। इसके बाद बायें हाथ के बल्लेबाज जजई ने छक्का जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया और विजयी रन भी उन्हीं के बल्ले से निकला। उन्होंने टॉम बैंटन की फुल टॉस गेंद पर लांग आन पर चौका लगाकर जीत दिलायी। इससे पहले ग्लैडिएटर्स के सलामी बल्लेबाजों ने भी अच्छी शुरूआत की।

लेकिन अपना पहला मैच खेल रहे मोहम्मद आमिर ने टॉम कोहलर कैडमोर (11) को आउट कर रन गति पर लगाम लगायी। टीम के लिये सर्वाधिक रन टॉम बेंटन (30 रन) ने बनाये। उसके लिये अंत में डेविड विसे ने नाबाद 25 और ओडियन स्मिथ ने नाबाद 26 रन बनाये जिससे टीम पांच विकेट पर 116 रन बनाने में असफल रही।

# डिएगो माराडोना की पुण्यतिथि पर प्रशंसकों ने उन्हें याद किया

**ब्यूनस आयस (एजेंसी)**
फुटबॉल के हजारों प्रशंसकों ने फुटबॉल के दिग्गज डिएगो माराडोना की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। एक साल पहले 25 नवंबर को माराडोना ने 60 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से दम तोड़ दिया था। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने गुरुवार शाम ट्वीट करते हुए कहा, आज आपके जाने का एक साल हो गया है। आपकी याद हमेशा अर्जेंटीना के दिलों में रहेगी। हम आपको याद करते हैं, डिएगो। बोका जूनियर्स ने एक वीडियो जारी किया और कहा कि आपने हमें कभी नहीं छोड़ा, आप हर प्रशंसक के दिल में हैं।

अर्जेंटीना की वर्तमान राष्ट्रीय टीम के कप्तान लियोनेल मेस्सी ने एल्बीसेलेस्टे शर्ट पहने हुए अपनी एक तस्वीर प्रकाशित की, जिसमें उनके सीने पर माराडोना की छवि थी। मेसी ने बाद में स्पेनिश अखबार मार्का को दिए गए एक इंटरव्यू में कहा, ऐसा लगता है कि यह कल की ही बात है और मुझे एक अजीब सा अहसास हो रहा है। माराडोना की मौत ब्यूनस आयर्स में उनके मस्तिष्क पर रक्त के थक्के जमने से हुई थी। कई स्वास्थ्य चिकित्सक अभी भी उनके इलाज और देखभाल में कथित लापरवाही के चलते हुई मौत के आरोपों का सामना कर रहे हैं। माराडोना की बड़ी बेटी, दलमा ने अपने 1.7 मिलियन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को बताया कि माराडोना के निधन के एक साल पूरे हो गए हैं। 1986 विश्व कप विजेता का परिवार गुरुवार सुबह उनकी याद में ब्यूनस आयर्स के पास गारिन के एक चर्च में इकट्ठा हुआ। फादर एड्रियन गेडेस ने समारोह के दौरान कहा, हम मौत का जश्न मनाने नहीं आए हैं, हम जीवन का जश्न मनाने आए हैं, वह जीवन जो डिएगो ने हमें दिया। माराडोना के सबसे छोटे बेटे, डिएगो फर्नांडो, जार्डिन डे बेला विस्टा के साथ एक कब्रिस्तान में अपनी मां वेरोनिका ओजेदा के साथ अपने पिता की कब्र के पास गया। वहां ओजेदा ने संवाददाताओं को बताया कि, हम इसलिए आए ताकि छोटा डिएगो अपने पिता से मिल सके। अर्जेंटीना के फु टबॉल प्रशंसक देश भर के कई स्थानों पर पूर्व बोका जूनियर्स, बार्सिलोना और नेपोली आइकन को याद करने के लिए एकत्र हुए, जिसमें ला बॉम्बोनेरा स्टेडियम, उनके प्रिय बोका का घर भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि देश की शीर्ष फुटबॉल लीग प्राइमेरा डिवीजन में इस सप्ताह के मैचों के लिए श्रद्धांजलि की योजना बनाई थी।

पृष्ठ एक का शेष...

# हमेशा की तरह सुर्खियों में रहा एमजीए...